सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बच्चे के अंदर दिखे ये बदलाव... पेज: 7

जुनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म ... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 22 | गुरुवार 23 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

चरोतर में भूकंप के झटके से दहशत, आणंद समेत कई इलाकों में लोग घरों से बाहर निकले

आणंद(एजेंसी)। गुजरात में पिछले कुछ समय से भू-स्तरीय हलचलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी बीच आज आणंद जिले के चरोतर में आए भूकंप के झटकों ने लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया। शाम के समय आणंद और आसपास के क्षेत्रों में धरती हिलने से लोग घबरा गए। सावधानी के तौर पर कई लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर खुले मैदानों में एकत्र हो गए। हालांकि अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना सामने नहीं आई है, लेकिन लोगों में डर का माहौल अभी भी बना हुआ है। गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी रिसर्च सेंटर (आईएसआर) के अनुसार, आज शाम 4-35 बजे आणंद और उसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके दर्ज किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र आणंद से लगभग 36 किलोमीटर दूर बताया गया है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में गुजरात में आए हल्के भूकंप के झटकों ने स्थानीय लोगों में चिंता और घबराहट बढ़ा दी है। राहत की बात यह है कि इस बार भी झटका हल्का होने के कारण किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि अचानक आए इन झटकों से लोगों में कुछ समय के लिए भय का माहौल जरूर बना रहा।

ऑनलाइन गेम से शुरू हुआ प्यार, शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, केरल से आरोपी गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। शहर के पुना क्षेत्र की एक युवती ऑनलाइन गेम फ्री फायर और पबजी खेलने की शौकीन थी। गेम खेलने के दौरान उसकी पहचान केरल निवासी हिशाम मुनीर नामक युवक से हुई। खेल के दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिलाया। प्रेम संबंध बनने के बाद युवती केरल में पीजी में रहने चली गई। इस दौरान आरोपी हिशाम मुनीर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लगातार शोषण के कारण युवती गर्भवती हो गई। जब युवती ने गर्भवती होने और शादी करने की बात कही, तब आरोपी ने अपना असली चेहरा दिखाते हुए उसे बेसहारा हालत में छोड़ दिया और फरार हो गया। अपने साथ हुए विश्वासघात और अन्याय के खिलाफ युवती सूरत लौट आई और पुना पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। युवती की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केरल निवासी आरोपी हिशाम मुनीर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऑनलाइन गेम से शुरू हुआ प्यार, शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, केरल से आरोपी गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। शहर के पुना क्षेत्र की एक युवती ऑनलाइन गेम फ्री फायर और पबजी खेलने की शौकीन थी। गेम खेलने के दौरान उसकी पहचान केरल निवासी हिशाम मुनीर नामक युवक से हुई। खेल के दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिलाया। प्रेम संबंध बनने के बाद युवती केरल में पीजी में रहने चली गई। इस दौरान आरोपी हिशाम मुनीर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लगातार शोषण के कारण युवती गर्भवती हो गई। जब युवती ने गर्भवती होने और शादी करने की बात कही, तब आरोपी ने अपना असली चेहरा दिखाते हुए उसे बेसहारा हालत में छोड़ दिया और फरार हो गया। अपने साथ हुए विश्वासघात और अन्याय के खिलाफ युवती सूरत लौट आई और पुना पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। युवती की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केरल निवासी आरोपी हिशाम मुनीर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

लेंसकार्ट विवाद पर धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगाकर कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? तेरो कक्का का भारत है क्या? हां! हमारे बाप का भारत है।' बीते सप्ताह सोशल मीडिया पर कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक, कलावा और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी। हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति थी। सामाजिक कार्यकर्ता शेफाली वैद्य ने लेंसकार्ट का ड्रेस कोड को लेकर डाक्यूमेंट शेयर किया। उन्होंने कंपनी के फाउंडर से पूछा कि पीयूष बंसल, क्या आप स्पष्ट कर सकते हैं कि लेंसकार्ट में हिजाब ठीक है लेकिन बिंदी और कलावा क्यों नहीं? इसके बाद लोगों ने लेंसकार्ट को ट्रोल कर कंपनी की नीति पर सवाल उठाए। इसके बाद कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने 15 अप्रैल को बताया कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना है। यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन नहीं दिखाता है। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है। देश में हमारे हजारों टीम मेंबर्स हैं, जो हर दिन अपने विश्वास और संस्कृति को गर्व के साथ अपनाते हैं।

कर्नाटक में होमस्टे में अमेरिकी महिला के साथ रेप, दो आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के कोडागु जिले के कुट्टा गांव स्थित होमस्टे में अमेरिकी महिला के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि घटना करीब एक हफ्ते पहले हुई थी। पुलिस के अनुसार, होमस्टे में काम करने वाले एक स्टाफ को मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी झारखंड निवासी है। पुलिस ने होमस्टे के मालिक को भी गिरफ्तार किया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और फिर रेप किया। जब पीड़ित महिला ने होमस्टे मालिक से शिकायत की, तब मालिक ने मामला दबाने की कोशिश की। होमस्टे मालिक ने तीन दिनों तक वाई-फाई सेवा बंद कर दी, जिससे वह किसी से संपर्क नहीं कर सकी। बाद में इंटरनेट सेवा मिलने पर वह मैसूर जाने के बहाने वहां से निकली।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर मायावती ने किया साफ... कार्यकर्ता किसी भी भ्रम से बचें

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर पार्टी का रुख एक बार फिर स्पष्ट कर कार्यकर्ताओं को किसी भी प्रकार के भ्रम से बचने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल 2026 को पार्टी द्वारा जो आधिकारिक स्टैंड तय किया गया था, वहीं अब भी लागू है और उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने संगठन को मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

मायावती ने पोस्ट के जरिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पार्टी की नीतियों और दिशा-निर्देशों का पूरी ईमानदारी और निष्ठा से पालन करें। उन्होंने बताया कि वह पार्टी कार्यों के सिलसिले में दिल्ली जा रही हैं और जल्द ही वापस लौटेंगी, लेकिन इस दौरान संगठनात्मक कार्यों में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से 31 मार्च 2026 को लखनऊ में हुई प्रदेश स्तरीय बैठक का जिक्र कर कहा कि उसमें संगठन को मजबूत करने, कैडर के जरिए जनाधार बढ़ाने और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के जो निर्देश दिए गए थे, उन पर लगातार काम किया जाना चाहिए। इसके अलावा 22 फरवरी को आयोजित ऑल-इंडिया स्तर की बैठक में दिए गए निर्देशों को भी समयबद्ध तरीके से लागू करने पर जोर दिया। मायावती ने कहा कि वे जनता के बीच जाकर बीएसपी सरकार के दौरान किए गए विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दें। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बने कई एक्सप्रेस-वे और नोएडा में विकसित हो रहे जेवर एयरपोर्ट जैसी परियोजनाओं की रूपरेखा बीएसपी सरकार के दौरान ही तैयार की गई थी। उनका आरोप था कि तब केंद्र में रही कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण इन योजनाओं को पूरा होने में बाधाएं आईं।- उन्होंने 'कानून द्वारा कानून का राज' और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की विचारधारा पर कहा कि उत्तर प्रदेश के समग्र विकास, बेहतर कानून व्यवस्था और सभी वर्गों की उन्नति के लिए बीएसपी का शासन मॉडल ही सबसे उपयुक्त है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन मुद्दों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर मायावती ने साफ कहा कि पार्टी इसका समर्थन करती है, लेकिन इस कानून को पूरी तरह प्रभावी बनाने के लिए सामाजिक संतुलन बेहद जरूरी है। उनका मानना है कि यदि महिला आरक्षण में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित नहीं किया गया, तब समाज के वंचित वर्गों को इसका पूरा लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला सशक्तिकरण तभी सार्थक होगा जब सभी वर्गों की महिलाओं को समान अवसर और प्रतिनिधित्व मिले। महिलाओं की आबादी के अनुपात को ध्यान में रखते हुए उन्हें पर्याप्त हिस्सेदारी मिलनी चाहिए और कमजोर वर्गों की महिलाओं के हितों की विशेष सुरक्षा भी जरूरी है।

यासीन मलिक को मौत की सजा देने की एनआईए की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को मौत की सजा देने की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मांग वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टली है। अब मामले में 21 जुलाई को सुनवाई होगी। दिल्ली हाईकोर्ट में मलिक की ओर से दाखिल जवाब पर एनआईए ने भी अपना जवाब दाखिल किया। साथ ही कहा कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में चल रहे सबरीमाला मामले में व्यस्त हैं, इसकारण सुनवाई टाल दी जाए। दिल्ली हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई तय कर एनआईए के जवाब की कॉपी यासीन मलिक को देने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि कि पूरा मामला 2017 के टेरर फंडिंग केस से जुड़ा है, इसमें मलिक पर हवाला, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से फंडिंग और जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के आरोप हैं। मलिक को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने 24 मई 2022 को दोषी करार देकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद एनआईए ने 2023 में फैसले को चुनौती दी थी। एनआईए ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मलिक को मौत की सजा देने की मांग की है। एनआईए का दावा है कि मलिक ने 1990 के दशक में कई हत्याओं और अपहरणों में भूमिका निभाई, जिसमें वायुसेना के चार अधिकारियों की हत्या भी शामिल है। जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का हवाला देकर कहा कि इसतरह के मामले रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी में आते हैं और मलिक को मौत की सजा मिलनी चाहिए। वहीं, अलगाववादी नेता मलिक ने दिल्ली हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि 1990 के बाद से केंद्र में सत्ता में रही छह सरकारों ने कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए मुझसे बात की थी। इसमें वी.पी. सिंह, चंद्रशेखर, पी.वी. नरसिम्हा राव, एच.डी. देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारें शामिल हैं।

देश में बढ़ रहा तापमान, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में लू का अलर्ट जारी

-जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और लद्दाख में बारिश या बर्फबारी और चल सकती हैं तेज हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में लू चलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दक्षिण भारत के कई इलाकों में गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र, कोंकण, गोवा, गुजरात और केरल में भी चिपचिपाने वाली गर्मी पड़ेगी। कुछ जगहों पर रात में भी गर्मी बनी रहने के आसार हैं, जिससे लोगों को राहत कम मिलेगी।

मौसम विभाग का कहना है कि इस बार सामान्य से ज्यादा दिन लू चल सकती है। खासतौर पर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, पूर्वी तट और पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर जा सकता है। गर्मी से बचाव के लिए विभाग लगातार अलर्ट जारी कर रहा है। खासकर बाहर काम करने वाले लोगों जैसे रेहड़ी-पटरी वाले और खेतों में काम करने वाले मजदूरों को मोबाइल और अन्य माध्यमों से जानकारी दी जा रही है, ताकि वे सावधानी बरत सकें। जहां एक तरफ गर्मी बढ़ रही है, वहीं देश के कुछ हिस्सों में मौसम बदलने के संकेत भी हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बारिश या बर्फबारी के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर में भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे थोड़ी राहत मिल सकती है।

दिल्ली में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री बढ़ सकता है, जिससे हीटवेव जैसे हालात बनेंगे। इस दौरान तापमान सामान्य से ऊपर या काफी ज्यादा रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय धूप में कम निकलने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मई में नॉर्वे, नीदरलैंड और इटली यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी, शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

दौरे का उद्देश्य यूरोपीय संघ के साथ व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी मई के मध्य में यूरोप की एक सप्ताह की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य यूरोपीय संघ के साथ व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना और महाद्वीप के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी को नई दिशा देना है। इस यात्रा में पीएम मोदी कई विदेश दौरे करेंगे। वे नॉर्वे, नीदरलैंड और इटली भी जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी की यात्रा का एक प्रमुख पड़ाव नॉर्वे की राजधानी ओस्लो होगा, जहां वे तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के नेता भी शामिल होंगे। इससे पहले यह सम्मेलन 2018 में स्टॉकहोम और 2022 में कोपेनहेगन में हो चुका है। नॉर्वे यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ का एक अहम सदस्य है। अक्टूबर 2025 में लागू हुए भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते के बाद इस दौरे की अहमियत काफी बढ़ गई है।

इस समझौते के तहत ईएफटीए देशों ने अगले 15 सालों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जिससे देश में करीब 10 लाख नए रोजगार पैदा होंगे। साथ ही इससे कपड़ा, चमड़ा और खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में भारतीय निर्यातकों के लिए नए बाजार खुलेंगे। ओस्लो में होने वाली द्विपक्षीय वार्ताओं में हरित ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, ब्लू इकॉनमी, इनोवेशन, डिजिटलीकरण और आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग पर विस्तार से चर्चा होगी।

ओस्लो के बाद पीएम मोदी नीदरलैंड जाएंगे। यहां उनकी पिछली यात्रा 2017 में हुई थी। द हेग जल प्रबंधन, कृषि, तकनीक और आतंकवाद विरोधी प्रयासों में भारत का एक प्रमुख भागीदार रहा है। पिछले साल कुछ कारणों से टल गए कार्यक्रमों और बैठकों की तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके। पीएम मोदी के कार्यक्रम में इटली भी शामिल है। यह उनकी इटली की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। हालांकि वे 2021 में जी20 शिखर सम्मेलन और 2024 में जी7 आउटरीच के लिए रोम जा चुके हैं। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ उनकी चर्चा का मुख्य केंद्र रक्षा, ऊर्जा और निवेश से जुड़े मुद्दे होंगे। इस बात की भी संभावना है कि पीएम मोदी वेटिकन सिटी का दौरा करें और ईसाई धर्मगुरु पोप से मुलाकात कर सकते हैं।

इस दौरे से एफटीए को तेजी से लागू करने, सप्लाई चेन को विविधतापूर्ण बनाने और स्वच्छ तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। यूरोप के साथ इस सघन कूटनीति के क्रम में,

पीएम मोदी जून के महीने में फ्रांस भी जाएंगे, जहां वे जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। भारत को 2019 से लगातार इस प्रभावशाली समूह के आउटरीच कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता रहा है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है।

सबरीमाला मंदिर मामले की सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। जस्टिस वीबी नागरत्ना ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए। दो संप्रदायों में बांटना नहीं चाहिए। वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर में नहीं जा सकते। यह सोच सही नहीं है। अगर कोई संप्रदाय अपने मंदिर को दूसरों के लिए नहीं खोलता, तब वहां कमजोर हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात ट्रावणकोर देवस्वम बोर्ड के वकील राकेश द्विवेदी की उस बात पर कही, जिसमें कहा गया था कि जहां एक संप्रदाय को दूसरे संप्रदाय के मंदिर में पूजा करने से रोका जा रहा है, जबकि वे वहां जाते भी नहीं। यदि वे जाना चाहें, तब क्या इस काम को सामाजिक सुधार के तहत सही ठहराया जा सकता है। अगर राज्य चाहे कि अन्य संप्रदायों के लोगों को भी अनुमति दी जाए, तब वह सुधार के रूप में कानून बना सकता है। सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया।

चार धामों में व्यापार करने की सिर्फ सनातनी को ही अनुमति दी जाए: टी राजा

-कालसी के हरिपुर को हरिद्वार की तर्ज पर विकसित किया जाए

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरु हो गई है। 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री के बाद केदारनाथ धाम के कपाट खुल चुके हैं। 23 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे। हैदराबाद विधायक टी राजा सिंह ने भी चारधाम यात्रा शुरू कर दी है। इससे पहले देहरादून में उन्होंने कहा कि चारों धाम की पवित्रता को बनाए रखने के लिए इन धामों में व्यापार करने के लिए सिर्फ सनातनी को ही अनुमति दी जानी चाहिए, जिससे धामों में थूक जिहाद और व्यापार जिहाद की घटनाएं न हों।

हैदराबाद के गोशामहल से विधायक टी राजा ने यह बात जौनसार बावर के प्रवेश द्वार हरिपुर स्थित यमुना हरिघाट से चारधाम यात्रा की शुरुआत के दौरान कही। उन्होंने हरिपुर में यमुना पर हरिघाट के निर्माण के लिए उत्तराखंड सरकार की तारीफ

करते हुए कहा कि इससे हरिपुर कस्बे को उसका पुराना वैभव मिलेगा। विधायक ने कहा कि हरिद्वार और चारधाम में गैर-हिंदुओं को प्रतिबंधित करना उत्तराखंड सरकार का सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि कालसी के हरिपुर को हरिद्वार की तर्ज पर विकसित किया जाए। मान्यता है कि पूर्व में चार धाम यात्रा की शुरुआत हरिपुर के यमुना घाट से ही होती थी, जो किसी कालखंड में बंद हो गई थी, लेकिन अब घाट के बनने से यह दोबारा शुरू हो सकती है जिससे यहां के विकास के साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

चारधाम यात्रा में पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को आवाजाही में होने वाली दिक्कतों को देखते हुए परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। आरटीओ प्रशासन ने रोटेशन से जुड़ी बस कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने बेड़े की 40 फीसदी बसों का संचालन लोकल रूटों पर करें। चारधाम यात्रा के पीक सीजन में बस कंपनियां अधिकांश बसें यात्रा रूटों पर लगा देती हैं, जिससे ग्रामीण रूटों पर परिवहन सेवा ठप हो जाती है। आरटीओ प्रशासन ने बताया कि रोटेशन से जुड़ी सभी बस कंपनियों को निर्देशित किया गया है कि गांवों के रूटों पर समय पर बस सेवा मिले।

चारधाम यात्रा के मद्देनजर चमोली पुलिस की ओर से बदरीनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद कर दिया गया है। सभी प्रवेश मार्गों, प्रमुख स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के जरिए सतत निगरानी रखी जा रही है तथा नियमित चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

बंगाल चुनाव में महिला मतदाता इस बार ममता सरकार का बुरा हाल करने वाली : सैनी

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

गुरुग्राम(एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में बयान देकर पश्चिम बंगाल की राजनीति और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधकर कहा कि आगामी चुनावों में राज्य की जनता उनका ÷बहुत बुरा हाल÷ करने वाली है। सीएम सैनी के अनुसार, बंगाल की महिला मतदाता ऐसी सरकार चाहती हैं जो उन्हें सम्मान और 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करे, जबकि उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार इस दिशा में काम करने को इच्छुक नहीं है। सीएम सैनी ने कांग्रेस पर भी तीखा प्रहार किया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को 'निराशा का प्रतीक÷ बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास देश को विकसित बनाने के लिए दशकों का समय था, लेकिन कांग्रेस वहां स्वर्णिम मौका गंवा दिया गया। उनके अनुसार, आज कांग्रेस के पास न ठोस मुद्दे हैं और न ही व्यापक जनसमर्थन, जिसके कारण वह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तक सीमित होकर रह गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना कर सीएम सैनी ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र सरकार की प्रमुख उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, खेलों में बेटियों की सफलता, सेना में महिलाओं की भागीदारी और विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं परिवर्तन का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि शौचालय निर्माण और आवास योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आया है। गुरुग्राम में आयोजित हरियाणा कैबिनेट बैठक में 27 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया गया। इस सत्र में ÷हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज बिल, 2026' पेश किया जाएगा। साथ ही, 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े मुद्दे पर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की संभावना भी जाहिर की गई है।

वहीं अपने संबोधन के अंत में सीएम सैनी ने 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमला को याद करते हुए पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश इस तरह के कायरतापूर्ण हमलों को कभी नहीं भूलेगा और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर मजबूती से खड़ा रहेगा।

उम्मीदवार बटन पर रंग, स्याही, परफ्यूम, केमिकल लगाना या छिपाना अपराध

ईवीएम बटनों से छेड़छाड़ रोकने चुनाव आयोग ने जारी किए कड़े निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता,(ईएमएस)। भारत के चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मतदान केंद्रों पर तैनात पीठासीन अधिकारियों को कई कड़े निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश मुख्य रूप से ईवीएम के बटनों के साथ होने वाली छेड़छाड़ को रोकने और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने दिए गए हैं। ये हैं ईवीएम बटनों से छेड़छाड़ रोकने के लिए सख्त नियम जिसमें बैलट यूनिट पर लगे हर उम्मीदवार के बटन पूरी तरह से खुलकर और साफ-साफ दिखाई देने चाहिए। किसी भी बटन को टेप, गोंद, चिपकने वाले पदार्थ या किसी अन्य सामग्री से ढकना या छिपाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

आयोग का कहना है कि मतदाता को अपना वोट डालने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और यह तय होना चाहिए कि कोई भी बटन जानबूझकर छिपाकर मतदान को प्रभावित न किया जाए।

बैलट यूनिट के उम्मीदवार बटन पर किसी भी प्रकार का रंग, स्याही, परफ्यूम, केमिकल या अन्य कोई पदार्थ लगाना निषिद्ध है। ऐसा करने का उद्देश्य वोट की गोपनीयता भंग करना हो सकता है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाएगा। कभी-कभी कुछ लोग बटन पर ऐसे पदार्थ लगाकर बाद में पता लगाने की कोशिश करते हैं कि किस बटन को दबाया गया था, जिससे मतदान की गोपनीयता खतरे में पड़ जाती है। आयोग इसे वोट की पवित्रता पर हमला मानता है।

यदि प्रिसाइडिंग अधिकारी को मतदान केंद्र पर ऊपर बताई गई कोई भी बात नजर आए, जैसे बटन ढका हुआ हो या उस पर कोई पदार्थ लगा हो तो उन्हें तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करना होगा। आयोग ने साफ कहा कि ऐसे सभी मामले को ईवीएम से छेड़छाड़ माना जाएगा जो चुनावी अपराध है। आयोग ने चेतावनी दी है कि वह ऐसे दोषियों के खिलाफ सख्त फौजदारी कार्रवाई करने में बिल्कुल नहीं हिचकेगा।

पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यदि उन्हें मतदान केंद्र पर ऐसी किसी भी संदिग्ध घटना का पता चलता है, तो वे बिना देरी किए संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर को इसकी सूचना दें। यदि किसी बूथ पर ऐसी घटना की पुष्टि होती है, तो आयोग वहां पुनर्मतदान का आदेश भी दे सकता है। चुनाव आयोग के ये निर्देश पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में होने वाले मतदान से ठीक पहले लागू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में गुरुवार 23 अप्रैल को मतदान होगा। बंगाल में दो चरणों में चुनाव हो रहा है। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा।

वहीं केरल, पुडुचेरी और असम में इस महीने की शुरुआत में ही मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इन सभी राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए

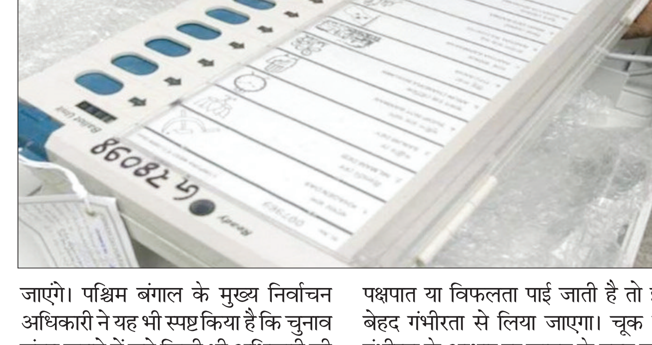

जाएंगे। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव संपन्न कराने में लगे किसी भी अधिकारी की ओर से यदि कोई लापरवाही, कदाचार, पक्षपात या विफलता पाई जाती है तो इसे बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। चूक की गंभीरता के आधार पर कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

ललित गर्ग

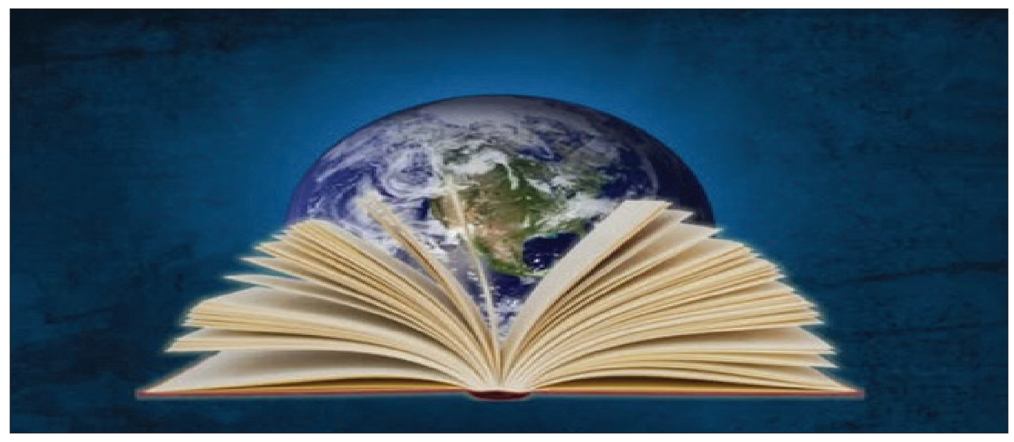

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं।

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटिस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि ह्लअज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश।ह्व इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं। पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं। पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं।

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्त्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

इलाज का बोझ

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं। यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नारी शक्ति वंदन पर राष्ट्र के नाम रुंदन भरा संबोधन

निर्मल रानी

मध्य एशिया में छिड़े संघर्ष के परिणामस्वरूप पूरे विश्व में मंहगाई व बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। भारत में भी गैस व सिलेंडर के अभाव के कारण लगने वाली लंबी लंबी कतारों के साथ ही हजारों छोटे व मध्यम उद्योगों के बंद होने के समाचार मिल रहे हैं। विभिन्न औद्योगिक नगरियों से कामगारों के ऐसे दर्दनाक दृश्य दिखाई दे रहे हैं जो कोरोना काल के समय हुये प्रवासियों के पलायन की याद दिला रहे हैं। परन्तु हमारे देश की सरकार व यहाँ के नेता इन वास्तविकताओं से मुंह मोड़कर हमेशा की तरह आज भी चुनावी मोड में हैं। प्रायः ऐसा देखा गया है कि चुनावी बेला में कुछ न कुछ ऐसा शगूफा जरूर छोड़ा जाता है जो सत्ता के पक्ष में,चुनाव को प्रभावित करने,विपक्ष को बदनाम करने,चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने तथा सत्ता का दुरूपयोग करने वाला हो। परन्तु इन चुनावी महारथियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि चुनाव आयोग सहित अनेक संस्थाओं पर सत्ता ने अपनी पकड़ मजबूत जो कर ली है ?

देश ने पिछले दिनों एक ऐसा ही हाई प्रोफाइल राजनैतिक ड्रामा देखा। केंद्र सरकार ने अचानक 16 से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुला लिया। सरकार की तरफ से पहले तो इस आपात सत्र को बुलाने के कारण को भी सांसदों से गुप्त रखा गया। फिर एन वक़्त पर बताया गया कि इस विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण विधेयक जिसे वर्तमान सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम दिया है इसे जल्द लागू करने के लिए लोकसभा की सीटों का परिसीमन करना व इनकी संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने संबंधी संशोधन विधेयक पारित कराना है। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से 2029 के आम चुनावों से पहले 33% महिला आरक्षण लागू हो सकेगा। यही बताकर लोकसभा में विगत 17 अप्रैल को 131 वां संविधान संशोधन विधेयक सरकार द्वारा पेश किया गया जो मतदान के बाद पारित नहीं हो सका। क्योंकि इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित होने के लिये लोकसभा में विशेष यानी दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। गोया वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सदस्य हैं और कुल सदस्यों का सामान्य बहुमत लगभग 272 होता है जोकि सरकार के गठन के लिये तो पर्याप्त है परन्तु संविधान संशोधन के लिये उपस्थित और मतदान करने वालों सदस्यों में दो-तिहाई बहुमत के लिए सामान्यतः 362 या इससे अधिक वोट चाहिए। परन्तु चूँकि केवल 298 मत विधेयक के पक्ष में और 230 इस के विपक्ष में पड़े इसलिये यह विधेयक पारित नहीं हो सका। वैसे भी इतना महत्वपूर्ण विधेयक सदन की पटल पर लाने से पूर्व जिसपर परिसीमन को लेकर चर्चा की जाने थी, सत्ता पक्ष ने विपक्ष से बात करना,सर्वदलीय बैठक बुलाना या विपक्ष को विश्वास में लेना भी जरूरी नहीं समझा।

अब इस नारी शक्ति वंदन नामक विधेयक के गिरने के बाद सत्ता ने एक बड़ा है हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू किया जिस के तहत पहले तो प्रधानमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में विधेयक गिरने का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ा और बाद में प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन किया जो कि एक रुन्दन भरा व शत प्रतिशत चुनावी भाषण जैसा सम्बोधन था। जनता के टैक्स के पैसों से संचालित होने वाले दूरदर्शन,संसद टी वी व ऑल इंडिया रेडिओ जैसे चैनल्स पर इसे लाइव प्रसारित किया गया। जबकि सत्ता के गुणगान में लगे गोदी मीडिया के अधिकांश निजी चैनल्स ने भी इसे लाईव प्रसारित किया। यह संबोधन पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित, विपक्षी दलों को बदनाम करने,कई राज्यों में चल रहे चुनावों के बीच चुनाव को प्रभावित करने वाला तथा चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन था। सही मायने में सरकार की जितनी फजीहत विधेयक के पारित न होने से हुई थी उससे कहीं ज्यादा इस तथाकथित राष्ट्र संबोधन से हो गयी। 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम सम्बोधन के नाम पर दिये गये इस 29 मिनट के चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया बल्कि अन्य कई विपक्षी दलों के अतिरिक्त 58 बार केवल कांग्रेस पार्टी का नाम लेकर उसे खूब कोसा। इसके बाद देश के 700 से अधिक पूर्व नौकरशाहों व विशिष्ट लोगों ने भारतीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई कि प्रधानमंत्री के प्रसारण में चुनाव अचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाई गयीं और प्रधानमंत्री का भाषण चुनाव अचार संहिता का सरासर उल्लंघन है। क्योंकि चुनाव अचार संहिता के लागू होने के बावजूद सरकारी टी वी प्रसारण के द्वारा चुनाव प्रचार किया गया और पार्टी प्रोपेगैंडा करने के लिए सरकारी मास मीडिया प्लेटफार्म का दुरूपयोग किया गया जोकि चुनाव नियमों का गंभीर उल्लंघन है। निश्चित रूप से देश के इतिहास में यह पहला मौका था जबकि किसी प्रधानमंत्री ने केवल विपक्ष को बदनाम करने व उसकी आलोचना करने के लिए राष्ट्र को संबोधित करने के बहाने इस तरह से सरकारी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया हो। इसके बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जिसतरह आंकड़ों व तथ्यों के साथ भाजपा को आइना दिखाना शुरू किया उससे तो भाजपाइयों के लेने के देने पड़ गये। ,सबसे पहले तो कांग्रेस ने कहा कि जो महिला आरक्षण विधेयक पहले ही संसद में पारित हो चुका है उसे पुनः पारित करने का अर्थ क्या है ? नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ये दरअसल महिला आरक्षण विधेयक नहीं है बल्कि भारत के वर्तमान चुनावी ढांचे को बदलने की साजिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री महिला आरक्षण चाहते हैं तो 2023 का पारित हो चुका महिला विधेयक लायें और उसे आज ही लागू करें तो पूरा विपक्ष समर्थन देगा। साथ ही इस विधेयक के गिरने के बाद महिलाओं की हमदर्दी में घड़ियाली आंसू बहाने व विपक्ष पर ही हमलावर होने वाली भाजपा से इसी विपक्ष ने ऐसे सवाल पूछने शुरू कर दिए जिसका भाजपा के लफ़्फ़ाजी नेताओं के पास कोई जवाब नहीं। महिला आरक्षण के इन स्वयंभू सत्ताधारी हमदर्दों से विपक्ष ने यह भी पूछा कि सबसे ज्यादा सांसद होने के बाद भी बीजेपी की महिला सांसदों की संख्या का अनुपात अन्य राजनैतिक दलों की तुलना में सबसे कम क्यों है ? गौरतलब है कि वर्तमान लोकसभा में बीजेपी के 240 लोकसभा सांसदों में केवल 31 महिलाएं हैं अर्थात उनकी संख्या मात्र 12.90% है। जबकि कांग्रेस के 98 सांसदों में 14 यानी 14.30% इसी प्रकार टीएमसी के 29 में 11 महिला सांसद यानी 37.90% महिलाएं हैं। इसी तरह समाजवादी पार्टी में भी 37 में 5 यानी 13.50% महिला सांसद हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने भाजपा का यह चिट्ठा भी खोलकर रख दिया कि भाजपा के शासन में यहाँ तक कि स्वयं अनेक भाजपा नेताओं द्वारा नारियों का किस तरह शोषण व अपमान किया गया है व किया जा रहा है। इसलिये यह कहना गलत नहीं होगा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक के गिरने पर प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम रुन्दन भरा संबोधन कोरी राजनीति,आचार संहिता का उल्लंघन ,जनता के टैक्स के पैसों का दुरूपयोग और भाजपा की हताशा के सिवा और कुछ नहीं था।

ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है।

राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है।

अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है।

बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।

पुलिस सभागार में क्रिटिकल कॉरिडोर के संबंध में में की गई बैठक, दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा पुलिस सभागार में क्रिटिकल कॉरिडोर के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्राधिकारी यातायात शक्ति सिंह एवं समस्त थानो के क्रिटिकल कॉरिडोर टीम प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के संवेदनशील मार्गों एवं स्थानों (क्रिटिकल कॉरिडोर) की विस्तृत समीक्षा की गई तथा इन स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि चिन्हित क्रिटिकल कॉरिडोर पर नियमित एवं सघन गश्त सुनिश्चित की जाए, सीसीटीवी कैमरों की सतत मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जाए। इसके अतिरिक्त, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु प्रमुख मार्गों पर यातायात पुलिस की सक्रिय तैनाती, ओवरस्पीडिंग एवं नियमों के उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। यह भी निर्देशित किया गया कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों का नियमित निरीक्षण करें तथा आमजन के साथ संवाद स्थापित कर सुरक्षा के प्रति विश्वास को मजबूत करें। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया (Quick Response)) सुनिश्चित करने के लिए पुलिस टीमों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए। अंत में पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा जनपद में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखने हेतु पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ कार्य करें।

परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को किया गया ब्रीफ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया द्वारा होमगार्ड भर्ती परीक्षा 2026 के दृष्टिगत पुलिस लाइन अमरोहा में परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को ब्रीफ किया गया।

ब्रीफिंग के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी/कर्मचारी अपने-अपने ड्यूटी प्वाइंट पर समय से उपस्थित होकर पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ ड्यूटी का निर्वहन करें। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग, प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र का सत्यापन, संदिग्ध व्यक्तियों/गतिविधियों पर कड़ी निगरानी तथा परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, सभी पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि ड्यूटी के दौरान अनुशासन बनाए रखें, अभ्यर्थियों के साथ शालीन व्यवहार करें तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करें।

अपर पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर पुलिस क्षेत्राधिकारियों के साथ की गई एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला जज / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक के निर्देशन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 09 मई को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव, अभिषेक कुमार व्यास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा, अभिषेक कुमार व्यास ने सभी पुलिस क्षेत्राधिकारियों को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि न्यायालय द्वारा जारी नोटिसों की अधिक से अधिक तामीला करायी जाये, जिससे लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किया जा सके। बैठक में तामीला (समन की तामील) के संबंध में भी विशेष निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने कहा कि जिन मामलों को आगामी लोक अदालत में सूचीबद्ध किया जाना है, उनमें नोटिस एवं समन की तामील समय से सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक पक्षकार उपस्थित होकर अपने मामलों का निस्तारण करा सकें। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि तामीला की प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी संबंधित अधिकारी व कर्मचारी समन की तामील की प्रगति की नियमित समीक्षा करें। अधिकारियों ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से लोगों को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराया जा सकता है। इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आगामी लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग करें। जनपद में आयोजित होने वाली आगामी लोक अदालत को लेकर नोडल अधिकारी ज्योति चौधरी ने तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि न्यायालय द्वारा जारी नोटिसों को अधिक से अधिक तामीला कराकर उक्त वादों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कराया जाए ताकि आम जनता को शीघ्र और सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से मामलों का निपटारा किया जाता है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है।

उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे लंबित मामलों की सूची तैयार कर अधिक से अधिक वादकारियों को लोक अदालत में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे और लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

डीएम-एसपी ने होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा के लिए बनाए केंद्रों का किया निरीक्षण

जनपद में 25, 26 एवं 27 अप्रैल को 10 केन्द्रों पर प्रतिदिन 02 पालियों में होगी परीक्षा, 10 केंद्रों पर 28,224 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा जनपद में 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित कराई जाने वाली पुलिस होमगार्ड्स भर्ती 2025 परीक्षा के लिए बनाए गए केंद्रों आई०एम० इण्टर कालेज, जे०एस० हिन्दू इण्टर कालेज, जे०एस०हिन्दू पी०जी०कालेज ब्लॉक-ए और जे०एस०हिन्दू पी०जी०कालेज ब्लॉक-बी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने परीक्षा की सुरक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता से संबंधित व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने परीक्षा केंद्रों पर बनाए गए सीसीटीवी कंट्रोल रूम और स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निगरानी व्यवस्था को लगातार सक्रिय रखने और हर गतिविधि पर सतर्क निगाह बनाए रखने के निर्देश दिए।

नकल विहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में उन्होंने कहा कि परीक्षा के संबंध में भर्ती बोर्ड द्वारा जारी निदेशों का कड़ाई से शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं बेहतर प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा जनपद में 10 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी। प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यर्थी शामिल होंगे इस प्रकार कुल 28224 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 से 05:00 बजे तक प्रतिदिन दो पालियों में होगी। परीक्षा के लिए अलग अलग केंद्र निर्धारित किए गए हैं जिसमें राजकीय बालिका इण्टर कालेज, कुन्दन मॉडल इण्टर कालेज, राजकीय इण्टर कालेज, ऐ०के०के० इण्टर कालेज, आई०एम० इण्टर कालेज, जे०एस० हिन्दू इण्टर कालेज, जे०एस०हिन्दू पी०जी०कालेज ब्लॉक-ए, जे०एस०हिन्दू पी०जी०कालेज ब्लॉक-बी, भगवत सरन, इण्टर कॉलेज जोया और सिख इण्टर कालेज नांरगपुर अमरोहा को केंद्र बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने आने वाले अभ्यर्थियों के लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार, विद्यालयों के प्राचार्य सहित संबंधित उपस्थित रहे।

07 नफर अभियुक्त गिरफ्तार, भेजे गए एसडीएम कोर्ट

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना रहरा की मिशन शक्ति टीम ने संज्ञेय अपराध की परिकल्पना करने वाले 07 नफर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में कोशिन्द्र पुत्र बुधपाल सिंह, शोभित पुत्र बुधपाल, मोहित पुत्र बुधपाल निवासी ग्राम चन्दनपुर, रनवीर पुत्र चरन सिंह, रणजीत पुत्र चरन सिंह, चरन सिंह पुत्र परमा निवासीगण ग्राम नानई, जुल्फिकार पुत्र कलुवा निवासी ग्राम बांसका कला थाना रहरा जनपद अमरोहा शामिल हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी हसनपुर सर्किल पंकज कुमार त्यागी व प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार प्रधान के पर्यवेक्षण में की गई इस कार्रवाई में अभियुक्तों को बीएनएसएस की धारा 170 के अंतर्गत गिरफ्तार कर सम्बन्धित एसडीएम कोर्ट हसनपुर जिला अमरोहा भेजा गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म और गर्भपात के मामले में आरोपी की बहन गिरफ्तार

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना आदमपुर क्षेत्र के एक गांव में 6 महीने पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ शादीशुदा युवक के द्वारा दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने पहले ही मुख्य आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब पुलिस ने आरोपी युवक की बहन कुसुम को भी गिरफ्तार कर लिया है, जिस पर नाबालिग किशोरी का गर्भपात कराने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक ने नाबालिग किशोरी को डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था, जिससे वह गर्भवती हो गई थी। जिसके बाद आरोपी युवक के बहन-बहनोई ने मिलकर नाबालिग किशोरी का गर्भपात करा दिया था। नाबालिग किशोरी के परिजनों को मामले का पता चलने पर वह थाना आदमपुर पहुंचे और तहरीर दी थी। थाना प्रभारी आदमपुर के द्वारा मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से मुख्य आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं अब गर्भपात कराने वाली महिला (आरोपी युवक की बहन) कुसुम को भी पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जेल भेज दिया गया है। दूसरी तरफ इस मामले में आरोपी युवक का बहनोई और गर्भपात करने वाली महिला चिकित्सक अभी भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। जब इस पूरे मामले में पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनपुर से फोन पर बातचीत की गई तो उन्होंने बताया की नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद गर्भपात कराने में आरोपी युवक की बहन बहनोई शामिल थे जिसमें आरोपी युवक की बहन को गिरफ्तार कर लिया गया है और जेल भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

सिटी हॉस्पिटल में किशोरी की मौत, परिजनों का हंगामा, लापरवाही के आरोप

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के चंदौसी स्थित सिटी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक किशोरी की मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार, किशोरी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो उठे और अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल की लापरवाही के कारण किशोरी की जान गई है। वहीं अस्पताल प्रशासन ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मरीज की हालत पहले से ही बेहद गंभीर थी और उसे बचाने के प्रयास किए गए।

फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

21 से 26 अप्रैल तक लू का अलर्ट, प्रशासन ने जारी किए बचाव के निर्देश

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिले में 21 से 26 अप्रैल 2026 के बीच हीटवेव (लू) चलने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार इन दिनों तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है,

जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि दोपहर 12 से 3 बजे के बीच धूप में निकलने से बचें, हल्के और सूती कपड़े पहनें तथा बाहर जाते समय सिर ढककर रखें।

शरीर में पानी की कमी से बचने के लिए नियमित रूप से पानी, ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी आदि का सेवन करने की सलाह दी गई है।

प्रशासन ने यह भी कहा है कि बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं और बीमार व्यक्ति विशेष सावधानी बरतें। चक्कर, कमजोरी या तबीयत बिगड़ने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

इसके अलावा लोगों को सलाह दी गई है कि बच्चों और पालतू जानवरों को बंद वाहनों में न छोड़ें, अत्यधिक श्रम से बचें और शराब, चाय-कॉफी जैसे पेयों का सीमित उपयोग करें। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से मौसम की ताजा जानकारी रेडियो, टीवी और समाचार पत्रों के माध्यम से लेते रहने की अपील की है।

महिला विरोधी मानसिकता के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा की पदयात्रा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध को लेकर भाजपा महिला मोर्चा व युवा मोर्चा के तत्वावधान में बुधवार को जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने भाग लेते हुए विपक्ष के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

पदयात्रा काले आम चौराहे स्थित मलका पार्क से शुरू होकर अस्पताल रोड होते हुए अंसारी रोड चौराहे पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक पहुंची, जहां प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अतुल तेवतिया, खुर्जा विधायक मीनाक्षी सिंह और नगर पालिका अध्यक्ष दीप्ति मित्तल समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए विपक्ष के रुख की आलोचना की।

कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष शशि शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक, एक दंपति में हुआ समझौता

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में जनपद में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र के अंतर्गत बुधवार को चंदौसी स्थित परामर्श केंद्र पर बैठक आयोजित की गई। यह बैठक अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निदेर्शानुसार, केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी पर संपन्न हुई।

बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को सुलझाने के लिए काउंसलरों की मदद से दोनों पक्षों को सुना गया और सुलह-समझौते के आधार पर मामलों के निस्तारण का प्रयास किया गया। इस दौरान कुल 20 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिनमें से एक परिवार का आपसी सहमति से समझौता कराया गया।

इसके अलावा 7 मामलों में आवेदकों द्वारा आगे कार्रवाई में रुचि न लेने अथवा अन्य कारणों से पत्रावलियों को बंद कर दिया गया। शेष मामलों में अगली तिथि निर्धारित कर सुनवाई जारी रखने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह एवं होमगार्ड करुणा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन का कहना है कि परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से पारिवारिक विवादों को आपसी सहमति से सुलझाने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने गौ आश्रय स्थलों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को लेकर दिए गए निर्देश

संभल(सब का सपना):- जनपद में संचालित अस्थायी गौ आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को लेकर बुधवार को मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने विकासखंड रजपुरा के ग्राम पंचायत भिरावटी स्थित गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महेश पाल सिंह (पशुधन प्रसार अधिकारी) और मुरारी लाल (ग्राम विकास अधिकारी/सचिव) मौके पर उपस्थित मिले।

निरीक्षण में गौशाला में कुल 442 गोवंश संरक्षित पाए गए। गोवंशों को भूसा पर्याप्त मात्रा में दिया जा रहा था, लेकिन हरे चारे की व्यवस्था नहीं पाई गई। वहीं चोकर उपलब्ध तो था, पर उसकी पैकिंग पर मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट अंकित नहीं थी। इस पर नाराजगी जताते हुए ग्राम विकास अधिकारी को निर्देश दिए गए कि केवल गुणवत्ता युक्त चोकर ही गोवंशों को खिलाया जाए, जिस पर निर्माण व समाप्ति तिथि स्पष्ट रूप से अंकित हो।इसके अलावा केयरटेकरों को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की होद को प्रतिदिन साफ कर ताजा पानी भरा जाए और उसमें चूना डालना अनिवार्य किया जाए।

वहीं दूसरी ओर मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने विकासखंड बहजोई के ग्राम पंचायत घासीपुर स्थित अस्थायी गौ आश्रय स्थल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान डॉ. प्राची सिंह (पशु चिकित्सा अधिकारी), अनिल प्रताप (पशुधन प्रसार अधिकारी) एवं विमल कुमार (ग्राम विकास अधिकारी/सचिव) मौके पर मौजूद रहे।

यहां निरीक्षण में 238 गोवंश संरक्षित पाए गए। गौशाला में गोवंशों को भूसा व हरा चारा पर्याप्त मात्रा में दिया जा रहा था, लेकिन चोकर केवल दो कट्टे ही उपलब्ध पाया गया। इस पर संबंधित सचिव को निर्देशित किया गया कि उसी दिन शाम तक चोकर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अधिकारियों ने यहां भी साफ-सफाई और जल प्रबंधन को लेकर सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पानी की टंकियों को रोजाना साफ कर ताजा पानी भरा जाए तथा उसमें चूना डालना सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गौ आश्रय स्थलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमित रूप से व्यवस्थाओं की जांच जारी रहेगी।

संभल पुलिस की कार्रवाई,ऑपरेशन दहन के तहत 42 किलो मादक पदार्थ नष्ट

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में नशा मुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने हेतु जनपद में चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन दहन के अंतर्गत बुधवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में जब्त मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण किया।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों सम्भल, चन्दौसी, नखासा, कुढ़फतेहगढ़, हयातनगर, रजपुरा, ऐंचौड़ा कम्बोह एवं असमोली–से संबंधित कुल 24 अभियोगों में न्यायालय के आदेशानुसार निस्तारित किए गए लगभग 42 किलोग्राम

अवैध मादक पदार्थ नष्ट किए गए। इनकी अनुमानित कीमत करीब ड्ड86 लाख 28 हजार बताई गई है। नष्ट किए गए पदार्थों में डोडा, हेरोइन, स्मैक और चरस शामिल रहे।

मादक पदार्थों के सुरक्षित निस्तारण के लिए निर्धारित मानकों का पालन करते हुए यह कार्रवाई बबराला स्थित एक अधिकृत प्लांट में संपन्न हुई। पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उच्च क्षमता वाले इंसीनरेटर के माध्यम से इन पदार्थों को जलाकर नष्ट किया गया। पूरी प्रक्रिया अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत की मौजूदगी तथा गठित ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में पारदर्शी ढंग से पूरी कराई गई। इस दौरान कार्रवाई की फोटो एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई। मौके पर प्रभारी नारकोटिक्स निरीक्षक कश्मीर सिंह यादव, हेड कांस्टेबल योगेन्द्र कुमार, कांस्टेबल मृगनेन्द्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल रवि सहरावत सहित संबंधित थानों के पुलिस कर्मी मौजूद रहे। संभल पुलिस ने ह्यऑपरेशन दहनह्न के जरिए साफ संदेश दिया है कि जनपद में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अन्तर्जनपदीय खेल प्रतियोगिता में सम्भल पुलिस का शानदार प्रदर्शन

संभल(सब का सपना):- जनपद बिजनौर में आयोजित अन्तर्जनपदीय पुलिस हैंडबॉल एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिता (बरेली जोन-2026) में सम्भल पुलिस की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। टीम की इस उपलब्धि से पूरे जनपद में खुशी का माहौल है।

प्रतियोगिता में शानदार जीत के बाद पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने विजेता टीम से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने

खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है बल्कि टीम वर्क और अनुशासन की भावना भी मजबूत होती है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सम्भल पुलिस के जवानों ने खेल के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, जो पूरे जनपद के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आशा जताई कि टीम भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करती रहेगी।

शादी समारोह में भोजन के बाद बिगड़ी तबीयत, खाद्य विभाग की टीम ने लिया संज्ञान

मिठाई की दुकान पर छापा, नमूने जांच के लिए भेजे, बिना लाइसेंस प्रतिष्ठान बंद करने के निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना कैलादेवी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मिलक मजरा शोभापुर (ब्लॉक पंवासा) में एक शादी समारोह के दौरान भोजन करने के बाद कई लोगों की तबीयत खराब होने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही खाद्य विभाग की टीम ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

जांच के दौरान आयोजक जुगेन्द्र पुत्र देवकीनन्दन ने बताया कि शादी में आए मेहमानों में से कई लोगों ने लौकी की लौंज, रसगुल्ला और रसमलाई का सेवन किया था, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। इस पर विभागीय टीम ने मौके से इन

खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए। पूछताछ में यह भी सामने आया कि शादी के लिए मिठाई बहजोई के धीमर रोड स्थित इन्द्रपाल की दुकान से खरीदी गई थी। इसके बाद टीम ने संबंधित मिष्ठान निर्माणशाला का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खोया, पनीर, रसगुल्ला और रसमलाई के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए।

कार्रवाई के दौरान दुकान संचालक इन्द्रपाल द्वारा खाद्य पंजीकरण/लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस पर विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए प्रतिष्ठान को तत्काल बंद करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि वैध लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही कारोबार संचालित किया जा सकेगा। खाद्य विभाग ने बताया कि नमूनों की रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे अभियान का नेतृत्व सहायक आयुक्त (खाद्य) मानवेन्द्र सिंह ने किया, जबकि टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामजीत, राजेश कुमार सिंह, अशोक कुमार एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह शामिल रहे।

जिला उद्योग बंधु व व्यापार बंधु समिति की बैठक का हुआ आयोजन

सीडीओ ने बिजली, साफ-सफाई, अतिक्रमण व फॉगिंग पर दिए सख्त निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत में उपायुक्त उद्योग मुकेश कुमार ने प्रमुख एजेंडा बिंदुओं से मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं विश्वकर्मा योजना की प्रगति और लक्ष्यों की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विद्युत विभाग से जुड़ी समस्याएं उठाई गईं, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए। इसके बाद आयोजित व्यापार बंधु बैठक में व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं, जिनके समाधान हेतु अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

चंदौसी में नालों की तली झाड़ एवं साफ-सफाई को लेकर व्यापारियों द्वारा सुझाव दिए गए, जिस पर सीडीओ ने चंदौसी व संभल के सभी नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही अतिक्रमण की समस्या पर सख्ती दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत सभी नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में फॉगिंग कार्य नियमित रूप से कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा मुख्य विकास अधिकारी ने उद्योग एवं व्यापार से जुड़े लोगों से जल संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की अपील की। बैठक के अंत में सीडीओ ने स्पष्ट कहा कि सभी निदेर्शों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग मुकेश कुमार, केनरा बैंक के जिला अग्रणी प्रबंधक ललित राय, जीएसटी विभाग के अधिकारी, उद्योग बंधु व व्यापार बंधु के सदस्य सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फरार अभियुक्तों के घर नोटिस चस्पा, गांव में कराई गई मुनादी, शीघ्र हाजिर होने के निर्देश

असमोली/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में पंजीकृत एक मुकदमे के तहत पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने अभियुक्त कुलदीप पुत्र भूकन व बॉबी पुत्र रामवीर निवासी ग्राम मतावली पट्टी जग्गू के घरों पर न्यायालय के आदेशानुसार धारा 84 बीएनएसएस के अंतर्गत नोटिस चस्पा किया।

इसके साथ ही पुलिस द्वारा गांव में ढोल बजाकर मुनादी भी कराई गई, जिससे अभियुक्तों को न्यायालय में शीघ्र उपस्थित होने के लिए सूचित किया जा सके। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समयावधि में अभियुक्त न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

असमोली पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप का माहौल है और फरार आरोपियों पर दबाव बढ़ गया है।

भाकियू कार्यकताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन,समस्याओं की उठाई मांग

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने बुधवार को उपजिलाधिकारी चंदौसी को तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

युवा मंडल उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकित ठाकुर के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में किसानों ने बताया कि क्षेत्र में आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ रहा है, जिससे फसलों को भारी नुकसान हो रहा है और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। किसानों ने मांग की कि आवारा पशुओं को तत्काल पकड़कर गौशालाओं में भेजा जाए। दूसरी प्रमुख मांग स्मार्ट

मीटर को लेकर उठाई गई। किसानों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में अत्यधिक वृद्धि हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के चलते मीटर रीडिंग भी सही नहीं हो पा रही है। ऐसे में या तो पुराने मीटर से बिलिंग की जाए या स्मार्ट मीटर की तकनीकी खामियों को जल्द दूर किया जाए।

तीसरी समस्या शादी समारोह के दौरान गैस सिलेंडर की कमी को लेकर रखी गई। यूनियन का कहना है कि शादी के सीजन में एक कनेक्शन पर सीमित सिलेंडर मिलने से बड़ी संख्या में मेहमानों के लिए भोजन व्यवस्था करना मुश्किल हो जाता है। गैस एजेंसियां भी अतिरिक्त सिलेंडर देने से मना कर देती हैं। इस पर किसानों ने प्रशासन से मांग की कि शादी समारोहों के लिए विशेष व्यवस्था कर 4-5 अतिरिक्त सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं।

उपजिलाधिकारी चंदौसी ने ज्ञापन प्राप्त कर समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान भाकियू के कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कल्कि सेना के 33वें स्थापना दिवस पर भजन संध्या व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

संभल(सब का सपना):- कल्कि (सेना निष्कलंक) के 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन कोट पूर्वी स्थित प्राचीन कल्कि विष्णु मंदिर में भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा भगवान कल्कि के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर दिल्ली से आए भजन गायक मनोज पांडे ने कल्कि नाम रस मीठा है गा के देख ले और ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन जैसे भजनों की प्रस्तुति दी, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। अन्य भजन गायकों ने भी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। इसके उपरांत

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक पंडित महेंद्र प्रसाद शर्मा ने कहा कि किसी भी संगठन के लिए 33 वर्ष का सफर एक बड़ी उपलब्धि होती है। कल्कि सेना (निष्कलंक दल) पिछले तीन दशकों से अधिक समय से भगवान कल्कि की महिमा और सनातन धर्म का संदेश समाज में प्रसारित कर रहा है।

वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप कुमार गुप्ता ने स्थापना दिवस पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि समाज के सहयोग और भगवान कल्कि के आशीर्वाद से संगठन निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद संगठन निस्वार्थ भाव से धर्म, समाज और राष्ट्र के निर्माण में जुटा हुआ है।

जिला प्रभारी उज्ज्वल सक्सेना ने बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अखंड संकीर्तन, भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, साथ ही संगठन के समर्पित कार्यकताओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पृथ्वी दिवस पर बहमन पब्लिक स्कूल में वृक्षा-रोपण व प्रतियोगिताओं का आयोजन

एनसीसी व इको क्लब के छात्रों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संभल(सब का सपना):- जनपद के बहमन पब्लिक स्कूल में बुधवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर एनसीसी एवं इको क्लब के छात्रों द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इसके साथ ही विद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने आकर्षक चित्रों के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश प्रस्तुत किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य शोभित रस्तोगी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष ही जीवन हैं। यदि वृक्ष हैं तो पृथ्वी है और पृथ्वी है तो मानव जीवन संभव है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और प्रदूषण फैलाने वाले तत्वों के उपयोग को कम करने की अपील की।

इस अवसर पर एडमिनिस्ट्रेटर असगर अली शाह, डायरेक्टर ताहिर उज जमा, उप प्रधानाचार्य मोहम्मद औन नकवी, कोऑर्डिनेटर शबाना नाज, अध्यापक एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

नकल विहीन, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

बिजनौर (सब का सपना):- होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। परीक्षा को नकल विहीन, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने साफ कहा कि भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। परीक्षा के दौरान नकल या किसी भी अनुचित साधन का प्रयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट या किसी भी प्रकार का डिवाइस ले जाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। यदि कोई अभ्यर्थी या अन्य व्यक्ति ऐसे उपकरण के साथ पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परीक्षा से पहले सभी केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया जाए और किसी भी प्रकार की कमी मिलने पर तत्काल उसे दूर किया जाए। साथ ही प्रत्येक केंद्र पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, क्लॉक रूम की सुविधा, निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए जनरेटर और स्वच्छ पेयजल, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया।

परिवहन विभाग को अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने और स्वास्थ्य विभाग को प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। वहीं पुलिस विभाग को परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं और शासन के दिशा-निदेशों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी, एएसपी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नहीं थम रहे गुलदार के हमले एक और युवक घायल, सुरक्षा पर उठे सवाल

बिजनौर (सब का सपना):- शेरकोट क्षेत्र में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। नसीर दीवाला गांव में सुबह मजदूरी पर जा रहे एक युवक पर गुलदार ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई है।

जानकारी के अनुसार नसीर दीवाला निवासी करण (25) पुत्र ऋषि पाल सुबह अपने घर से मजदूरी के लिए निकला था। तभी रास्ते में झाड़ियों में छिपे गुलदार ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमले में युवक के सीने और गर्दन पर गहरे घाव आए हैं। अचानक हुए हमले से युवक संभल नहीं सका और गुलदार ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया। युवक की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर मचाया, जिसके बाद गुलदार जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है और हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद गांव में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में गुलदार की गतिविधियां देखी जा रही थीं, लेकिन वन विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से यह घटना सामने आई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द से जल्द पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है।

गौरतलब है कि जिले में गुलदार के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है और बड़ी संख्या में लोग घायल हो चुके हैं। वन विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाए जाने के बावजूद हमलों पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है।

अम्बेडकर मूर्ति के नाम पर रिश्वत का आरोप

लेखपाल और उसके भाई का वीडियो वायरल, जांच के आदेश

बिजनौर। (सब का सपना)धामपुर तहसील क्षेत्र में तैनात एक महिला लेखपाल पर बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापना से जुड़ी प्रक्रिया में रिश्वत लेने का आरोप लगने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कथित रूप से पैसे के लेन-देन का दृश्य सामने आया है। जानकारी के अनुसार, धामपुर तहसील में तैनात लेखपाल प्रीति राजपूत अपने भाई के साथ गांव सेड़ी पहुंची थीं। यहां ग्रामीण बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित करना चाहते थे, जिसके लिए राजस्व विभाग की रिपोर्ट आवश्यक बताई जा रही थी। आरोप है कि इसी रिपोर्ट के नाम पर 10 हजार रुपये की मांग की गई और रुपये लेखपाल के भाई ने लेकर अपनी जेब में रख लिए।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवक, जो खुद को पत्रकार बता रहा है, पूरे घटनाक्रम को रिकॉर्ड कर रहा है। वह लेखपाल से रुपये लेने को लेकर सवाल करता है, जिस पर लेखपाल कैमरे से बचने का प्रयास करती नजर आती हैं। इसी दौरान कथित रूप से रुपये जेब से निकालकर एक ओर डाल दिए जाते हैं। वीडियो में जमीन पर पड़े रुपये स्पष्ट दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। इस घटनाक्रम के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है और मामले में निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक और सामाजिक महत्व के कार्यों में इस प्रकार की कथित वसूली गंभीर मामला है। उधर, इस संबंध में जब तहसील प्रशासन से जानकारी ली गई तो तहसीलदार धनराज कुमार सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन अब वीडियो की सत्यता और पूरे प्रकरण की पड़ताल में जुट गया है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई संभव है।

शिक्षा का मंदिर या खौफ का केंद्र?बच्चों ने डर के कारण स्कूल आना छोड़ा

बिजनौर (सब का सपना):- शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद जमीनी हकीकत कई जगहों पर सवाल खड़े कर रही है। नहटौर ब्लॉक के गांव जमालपुर मीमला स्थित कंपोजिट विद्यालय का हाल ऐसा ही एक उदाहरण बनकर सामने आया है, जहां कभी सैकड़ों बच्चों से गुलजार रहने वाली कक्षाएं आज सूनी पड़ी हैं। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में तीन शिक्षामित्र सहित कुल आठ अध्यापक तैनात हैं, लेकिन इसके बावजूद स्कूल में छात्रों की उपस्थिति लगभग शून्य हो गई है। आरोप है कि विद्यालय के इंचार्ज शिक्षक सौरभ द्वारा बच्चों के साथ सख्ती और मारपीट जैसे व्यवहार के चलते बच्चों में भय का माहौल बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी डर के कारण बच्चे स्कूल आना छोड़ चुके हैं। बताया गया कि जो बच्चे पहले विद्यालय आते थे, वे भी कथित सख्ती से सहमकर अब घर बैठ गए हैं। जब कुछ बच्चों से कारण पूछा गया तो उनके व्यवहार में डर साफ दिखाई दिया। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चों पर थर्ड डिग्री जैसा व्यवहार किया गया, जिससे उनका मनोबल टूट गया। विद्यालय में कंप्यूटर और अन्य सुविधाएं मौजूद हैं, लेकिन कक्षाएं खाली पड़ी हैं। हालात यह हैं कि जहां बच्चों की पढ़ाई होनी चाहिए, वहां अब आवारा कुत्ते नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक सौरभ अधिकतर समय कार्यालय में ही बिताते हैं और निर्धारित समय के बाद वापस चले जाते हैं। गांव के लोगों ने एकजुट होकर संबंधित शिक्षक के तबादले की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक वर्तमान इंचार्ज का स्थानांतरण नहीं होगा, तब तक बच्चों का भविष्य सुरक्षित नहीं हो पाएगा। वहीं, इस पूरे मामले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है।

किसानों की जमीन पर कब्जे का बड़ा मामला, वीडियो सबूत के साथ प्रशासन से की शिकायत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में फर्जी अधिकारियों के नाम पर किसानों की जमीन हड़पने का गंभीर आरोप सामने आने से प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। ग्राम हंसावाला समेत आसपास के कई गांवों के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर भूमाफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार वीरेंद्र कुमार नाम का व्यक्ति अपने साथ कथित फर्जी तहसीलदार और पटवारी बनाकर गांवों में पहुंचता है। यह लोग खुद को सरकारी अधिकारी बताकर छोटे किसानों को डराते-धमकाते हैं और उन पर दबाव बनाकर उनकी जमीन कब्जाने का प्रयास करते हैं। आरोप है कि भय के चलते कई किसान अपनी जमीन छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। पीड़ित ग्रामीणों ने प्रशासन को एक वीडियो भी सौंपा है, जिसमें कथित फर्जी तहसीलदार की मौजूदगी दिखाई देने का दावा किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सबूत मामले की गंभीरता को दशार्ता है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। आरोप यह भी लगाया गया है कि वीरेंद्र कुमार ने करीब 1000 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है और फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे ऊंची कीमतों पर बेच रहा है। मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब एक अधिवक्ता ने भी आरोप लगाया कि उससे जमीन दिलाने के नाम पर करीब 30 लाख रुपये लिए गए, लेकिन बैनामा नहीं कराया गया। अधिवक्ता ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में मित्रसेन एडवोकेट, मदन सिंह, विजय पाल, गोपाल, भगत सिंह, सोनू, बल्ली, जोगेंद्र, दीपक और शुभम सहित कई ग्रामीण शामिल रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जूता चप्पल के गोदाम में लगी अचानक भयंकर आग

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बे में बुधवार दोपहर को बुगरासी रोड स्याना में गुप्ता बूट हाउस के गोदाम में अचानक आग लग गई। देखते देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग को देखकर लोग इधर-उधर भागने लगे। राहगीरों ने बताया कि आग बहुत तेजी से फैल रही थी। शोरूम के अंदर रखें जूता चप्पलों का पूरा स्टॉक देखते-देखते आग की चपेट में आ गया। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग को बुझाने का प्रयास शुरू किया, स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और आसपास के लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की तब जाकर आग पर काबू पाया गया।फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

शोरूम के मालिक पिंटू गुप्ता ने बताया कि उनकी दुकान बुगरासी रोड पर मुख्य चौराहे के पास है। उन्होंने बताया कि आग लगने से जूता चप्पलों का स्टॉक पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई हैं। उन्होंने कहा कि आग लगने से लाखो रुपए का नुकसान हुआ है।

बिजली के जर्जर लटकते तारों को लेकर ग्रामीणों ने लगाया जाम

समस्या के समाधान होने के आश्वासन पर यातायात हुआ पुनः शुरू

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के मौहल्ला भीम नगर खेड़ा में बिजली के जर्जर और लटकते तारों को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान न होने से नाराज निवासियों ने शिकारपुर-खुर्जा मार्ग पर चक्का जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया प्रदर्शनकारियों ने बताया कि मौहल्ले में बिजली के तार काफी नीचे लटक रहे है जिससे हर समय बड़े हादसे का खतरा बना रहता है कई बार तारों से निकलने वाली चिंगारियों से लोगों में दहशत फैल जाती है निवासियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को इस गम्भीर समस्या से अवगत कराया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई बिजली विभाग की अनदेखी से आक्रोशित होकर दर्जनों महिला-पुरुष और युवा सड़क पर उतर आए और शिकारपुर-खुर्जा मार्ग को पूरी तरह बन्द कर दिया जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई जिससे राहगीरों को भारी परेशानी हुई लोगों ने बताया कि दो दिन पहले ही एक स्थानीय युवक की बेटी करंट लगने से बाल-बाल बची थी लेकिन इसके बाद भी अधिकारियों ने कोई सुध नहीं ली जाम की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस से एसएसआई रुद्र प्रताप सिंह चौहान, एस आई शुलभ कुमार, विकास कुमार, और सुनील कुमार, मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझा कर शान्त कराने का प्रयास किया एसडीएम अरुण कुमार वर्मा, ने एसडीओ राम आशीष यादव, को जल्द से जल्द तारों को दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया जिसके बाद जा कर सडक से महिला हटी और यातायात चालू हुआ

एसपी देहात ने किया कोतवाली का औचक निरीक्षण दिए निर्देश

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- कानून व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से बीती देर रात एसपी देहात अंतरिक्ष जैन, ने कोतवाली का औचक निरीक्षण किया। इस अचानक हुई कार्रवाई से कोतवाली परिसर में हड़कम्प मच गया। व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण निरीक्षण के दौरान एसपी देहात, ने कोतवाली के विभिन्न पटल का बारीकी से जायजा लिया जिसमें कार्यालय अभिलेख रजिस्टरों के रख-रखाव और प्रविष्टियों की जांच की गई शस्त्रागार व मालखाना हथियारों की साफ-सफाई और मालखाने में रखे सामान की स्थिति को देखा हवालात व परिसर सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता का अवलोकन किया गया रात्रि गणना ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति और सक्रियता को परखा पुलिस कर्मियों को दी गई नसीहत एसपी देहात अंतरिक्ष जैन, ने लम्बित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण और अपराध नियंत्रण पर विशेष जोर दिया उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभिलेखों का अपडेशन सभी सरकारी दस्तावेजों को समय रहते अपडेट रखा जाए जनसुनवाई फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना जाए और उनका त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित हो व्यवहार में शालीनता ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मी अनुशासित रहें और आम जनता के साथ शालीनता से पेश आएं अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखना हमारी प्राथमिकता है लापरवाही बरतने वाले कर्मियों को बख्शा नहीं जाएगा अंतरिक्ष जैन, एसपी देहात इस मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यज्ञदत्त शर्मा, कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे निरीक्षण के अन्त में एसपी देहात ने रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए।

सरकारी मेडिकल कालेज में बाहर की दवा ही नहीं, पर्चे पर प्राईवेट स्टोर का पता भी लिख रहे डॉक्टर

बुलंदशहर। कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कालेज के चिकित्सक शासन के आदेशों को धता बता रहे हैं। सरकार बार-बार निर्देश दे रही है कि सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को अस्पताल के काउंटर से दवा दी जाए या फिर जेनेरिक दवाएं लिखी जाएं।

बावजूद इसके कई चिकित्सक निजी मेडिकल स्टोर से सांठगांठ कर न सिर्फ ब्रांडेड दवाएं लिख रहे हैं, बल्कि मेडिकल स्टोर का पता भी पर्चे के पीछे लिखकर दे रहे हैं। मरीजों को निजी दुकानों से दवा लेने का दबाव

सोमवार को मेडिकल कालेज के त्वचा रोग विभाग में मरीज पहुंचे और महिला चिकित्सक को स्किन की समस्या बताई। महिला चिकित्सक ने कहा कि सरकार अस्पताल की दवा काम की नहीं है। बाहर के मेडिकल स्टोर से लेना। मरीज ने पूछा कौन सा मेडिकल स्टोर तो चिकित्सक ने अंसारी रोड स्थित एक मेडिकल स्टोर का नाम पर्चे के पीछे लिख दिया।मरीज ने कहा कि मैडम यह तो महंगी होगी तो महिला चिकित्सक ने जवाब दिया कि आराम चाहिए या नहीं। इस पर मरीज चुप रहा और फिर पर्चा लेकर बाहर आ गया। ऊपरकोट निवासी आसिफ भी चिकित्सक को दिखाने पहुंचा और बाहर की दवा का पर्चा लेकर पैसे बचाने के चक्कर में जन औषधि केंद्र पर पहुंचा और जेनेरिक दवा खरीद ली। इसके बाद मरीज वापस ओपीडी में चिकित्सक के पास पहुंचा और दवा के सेवन के बारे में जानकारी करने लगा।इस पर स्टाफ और चिकित्सक ने मरीज को फटकारा। मरीजों ने बताया कि जिला अस्पताल में जरूरतमंदों को न तो निश्शुल्क दवा मिल रही और न ही समय पर उनकी जांच हो पा रही है। ओपीडी में आने वाले रोगियों के सरकारी पर्चे पर डाक्टर आधे से ज्यादा दवाएं निजी मेडिकल स्टोर की लिख रहे हैं। डाक्टरों की मनमानी से अस्पताल में आने वाले मरीजों को मुफ्त दवा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। बाहर की दवा न लिखी जाए। इसके लिए स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं। सभी प्रकार की ट्यूब और पांच तरह की एंटी एलर्जिक क्रीम और टेबलेट उपलब्ध हैं। कुल 163 प्रकार की दवाएं अस्पताल में उपलब्ध हैं। दवाएं पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं। जेनेरिक दवा के लिए जिला अस्पताल में जनऔषधि केंद्र खुला है।

एडवोकेट प्रवीण भाटी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- प्रवीण भाटी एडवोकेट के जन्मदिन के अवसर पर उनके कार्यालय में एक सादगीपूर्ण एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक शुभ चिंतकों ने पहुँच कर उन्हें बधाई दी।

इस अवसर पर गौ सेवक शिवम शिकारपुरिया, विशेष रूप से पाइनएप्पल का केक लेकर कार्यालय पहुँचे और प्रवीण भाटी एडवोकेट, से केक कटवा कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं।जन्मदिन के इस मौके पर कार्यालय में उत्साह का माहौल रहा वहाँ उपस्थित अन्य लोगों ने भी प्रवीण भाटी एडवोकेट को फूलों का गुलदस्ता और भगवान की तस्वीर भेंट कर उनके उज्वल भविष्य और दीघार्यु की कामना की। प्रवीण भाटी एडवोकेट, ने अपने सभी मित्रों और शुभ चिंतकों का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर शिवम शिकारपुरिया, योगेश राज जिला पंचायत सदस्य, मुकेश राजपूत, नितिन पंडित, रधुठाकुर, भूपेन्द्र भाटी, विजय दीप, नरेश भाटी, आदि लोग मौजूद रहे ।

हरियाणा की बसों में फ्री करें यात्रा, हैप्पी कार्ड एक्टिवेट होना शुरू; ऐसे करें आवेदन

जींद। अगस्त, 2024 के बाद रोडवेज मुख्यालय की ओर से जींद डिपो में भेजे गए 45 हजार 750 हैप्पी कार्ड एक्टिवेट होने शुरू हो गए हैं। अभी मुख्यालय की ओर से 1200 हैप्पी कार्ड एक्टिवेट हुए हैं, जिनके मैसेज पात्र लाभार्थी के पास रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आ रहे हैं। लाभार्थी को दस्तावेज लेकर डिपो में आना होगा। इसके बाद 50 रुपये शुल्क के साथ हैप्पी कार्ड एक्टिवेट हो जाएगा। जिले में अंत्योदय परिवारों के लिए सरकार की ओर से मार्च 2024 में हैप्पी कार्ड योजना शुरू की गई थी। योजना के तहत पात्र व्यक्ति रोडवेज बसों में साल में एक हजार किलोमीटर सफर कर सकता है। पहले वाले हैप्पी कार्ड में से अभी भी 4800 से ज्यादा का वितरण पात्र लोगों को देना बाकी है।4821 कार्ड अभी भी नहीं बंटे जिले में 107401 हैप्पी कार्ड बने थे, जिसमें से अभी 102580 कार्ड पात्र लोगों को दिए जा चुके हैं, जबकि 4821 कार्ड अभी भी नहीं बंटे हैं। गौरतलब है कि सरकार ने अंत्योदय परिवारों के लिए रोडवेज बसों में एक वर्ष में एक हजार किलोमीटर की मुफ्त यात्रा की सुविधा दी है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए हैप्पी कार्ड बनाए जाते हैं।एक लाख रुपये वार्षिक आय तक वाला व्यक्ति हैप्पी कार्ड के लिए आवेदन कर सकता है। व्यक्ति को अटल सेवा

केंद्र से आनलाइन आवेदन करना होता है। कार्ड बनने पर पात्र व्यक्ति के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संदेश आता है। बस स्टैंड में आवेदक को आइडी के साथ पहुंचकर 50 रुपये शुल्क अदा करने पर कार्ड एक्टिवेट कर सौंप दिया जाता है। वहीं कार्ड गुम होने या खराब होने पर 310 रुपये शुल्क के साथ व्यक्ति को दोबारा से नया कार्ड दिया जाता है। कहां करें अप्लाई हैप्पी कार्ड के लिए पात्र व्यक्ति (एक लाख से कम वार्षिक आय वाले व्यक्ति) आधिकारिक वेबसाइट ebooking.hrtransport.gov.in पर विजिट करें या फिर CSC सेंटर के जरिए ऑनलाइन भी आवेदन कर सकते हैं। अप्लाई करने के लिए परिवर पहचान पत्र (PPP), आधार कार्ड और मोबाइल नंबर आवश्यक है। हैप्पी कार्ड बनवाने के लिए 50 रुपये का शुल्क लगता है।

यमुनानगर के रादौर में सनसनी, पूर्व सरपंच के घर पर अज्ञात हमलावरों ने की 15 राउंड फायरिंग

रादौर। थाना रादौर क्षेत्र के भूरे का माजरा गांव में 21/22 अप्रैल 2026 की रात करीब 1.30 बजे पूर्व सरपंच ऋषि पाल के घर पर फायरिंग हुई। तीन अज्ञात युवक पल्सर बाइक पर आए। उन्होंने 14 से 15 राउंड फायर किए। इसके बाद मौके से फरार हो गए। घटना में किसी को गोली नहीं लगी। बड़ा हादसा टल गया। फायरिंग की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई। आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही थाना रादौर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास जांच शुरू की गई। हमलावर बाइक पर आए थे। वारदात के बाद उसी दिशा में भाग गए।जांच के दौरान नाली से एक जिंदा रौंद भी मिला है। पुलिस ने इसे कब्जे में ले लिया है। पुलिस क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। आरोपियों की पहचान के प्रयास जारी हैं। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

हरियाणा में अग्निशमन कर्मचारियों की हड़ताल तेज, सफाई कर्मचारियों का भी मिला समर्थन

चंडीगढ़। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के समर्थन के साथ हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन ने आठ अप्रैल से चल रही हड़ताल को 26 अप्रैल तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंद व महासचिव गुलशन भारद्वाज के नेतृत्व में हड़ताल के दौरान ही 25 अप्रैल तक राज्य के सभी विधायकों को ज्ञापन सौंपे जाएंगे और मांगों का समाधान कराने की मांग होगी। 27 अप्रैल से प्रदेश के सभी 103 दमकल केंद्रों पर क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। आंदोलनकारी फरीदाबाद में अग्निकांड में अकाल मृत्यु का शिकार भवीचंद शर्मा व रणबीर सिंह को शहीद का दर्जा देने और मृतकों के आश्रितों को नौकरी व एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने समेत करीब एक दर्जन मांग कर रहे हैं।यूनियन के राज्य पाल प्रधान राजेंद्र सिंद ने कहा कि जब तक सरकार कर्मचारियों की मांगों पर ठोस आदेश जारी नहीं करती, तब तक हड़ताल समाप्त नहीं की जाएगी, चाहे यह संघर्ष कितना भी लंबा क्यों न चलाना पड़े। अग्निशमन विभाग के नियमित, पे-रोल व कौशल निगम के दमकल कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल हैं। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सुभाष लांबा व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री और महासचिव कृष्ण कुमार नैन ने कहा कि हरियाणा सरकार को अपनी जिद छोड़कर बातचीत से आंदोलनकारी कर्मचारियों की मांगों को पूरा करना चाहिए और हड़ताल खत्म कराने की पहल करनी चाहिए। यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंद ने लंबी खिंच रही हड़ताल पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि अग्निशमन विभाग हड़ताल को तोड़ने के प्रयास में अनट्रेंड रोडवेज चालकों व होमगार्ड के माध्यम से फायर सेवाओं को चलाने की कोशिश कर रहा है, जो बेहद खतरनाक और गैर जिम्मेदाराना कदम है।बिना प्रशिक्षित कर्मियों से आग बुझाने का कार्य करवाना न केवल फायर गाड़ियों को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि इससे आम जनता की जान भी सीधे जोखिम में डाली जा रही है। नगरपालिका कर्मचारी संघ एवं सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि पालिका और अग्निशमन कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में 24 व 25 अप्रैल को सभी जिलों में मुख्य सड़कों पर उल्टा झाड़ू कर प्रदर्शन किए जाएंगे और 27 व 28 अप्रैल को प्रदेश भर में क्रमिक भूख हड़ताल होगी। यदि सरकार ने 30 अप्रैल तक भी मांगों का समाधान नहीं किया, तो एक मई से प्रदेश के 40 हजार सफाई कर्मचारी पूर्ण रूप से काम बंद कर हड़ताल में शामिल हो जाएंगे।

नारी वंदन अधिनियम पर हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र, कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव की तैयारी

चंडीगढ़। लोकसभा में नारी वंदन अधिनियम के 54 वोटों से गिर जाने के बाद भाजपा जहां राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष खासकर कांग्रेस के विरुद्ध आंदोलन कर रही है, वहीं भाजपा शासित राज्यों में विधानसभाओं के विशेष सत्र बुलाकर कांग्रेस को घेरने की तैयारी है। हरियाणा मंत्रिमंडल की बुधवार को गुरुग्राम में हुई बैठक में विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 27 अप्रैल को बुलाने का निर्णय लिया गया। इस सत्र में कांग्रेस के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव लाया जा सकता है। ऐसा ही निंदा प्रस्ताव कांग्रेस की ओर से भी भाजपा के विरुद्ध लाने की तैयारी है, लेकिन विधानसभा में भाजपा का बहुमत होने की वजह से उसके द्वारा कांग्रेस के विरुद्ध लाया जाने वाला निंदा प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित होने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस की ओर से भाजपा के विरुद्ध लाया जाने वाला निंदा प्रस्ताव स्वीकार होने में भी संशय है। 27 अप्रैल को बुलाया जाएगा विशेष सत्र हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में 27 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाने का फैसला होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बुधवार को ही चंडीगढ़ में राज्यपाल प्रो. असीम घोष से मुलाकात की।राज्यपाल और स्पीकर के बीच एक दिवसीय विशेष सत्र के संभावित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी दिन भाजपा की ओर से हरियाणा में ग्रुप डी के कर्मचारियों को प्रमोशन देने के लिए बिल लाए जाने की संभावना है। हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज रिक्रूटमेंट एंड कंडीशंस आफ सर्विस बिल लाने का निर्णय भी राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में किया जा चुका है। राज्यपाल से मुलाकात करने के बाद स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष सत्र के आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष सत्र की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध, सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जाएं। देश के इतिहास में एक काला अध्यायः सीएम सैनी मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 16 और 17 अप्रैल को संसद में हुई घटनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि देश के सामने विपक्षी दलों का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है। विपक्ष ने खुद को महिला-विरोधी और सत्ता का भूखा साबित कर दिया है। इन दिनों को देश के इतिहास में एक "काला अध्याय" के तौर पर याद किया जाएगा। विपक्षी दलों ने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को मात्र एक "वोट बैंक" के तौर पर इस्तेमाल किया है। देश की महिलाओं को फैसले लेने की प्रक्रियाओं में सार्थक भागीदारी से वंचित रखा है। विपक्ष के विरोध के चलते ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया है।

दान नहीं बल्कि महिलाओं का अधिकार हैः सीएम सैनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणियों का हवाला देते हुए नायब सैनी ने कहा कि महिलाओं की राजनीति में भागीदारी कोई "दान" नहीं, बल्कि उनका "अधिकार" है।' उन्होंने परिसीमन को लेकर विपक्ष के दावों को भी खारिज कर दिया। नायब सैनी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही तथ्यों के साथ यह साफ कर चुके हैं कि किसी भी राज्य के प्रतिनिधित्व में कोई कमी नहीं की जाएगी। आने वाले समय में महिला मतदाता ऐसी राजनीति का कड़ा जवाब देंगी। महिलाएं अपनी वोट की ताकत का इस्तेमाल कर उन दलों को करारा जवाब देंगी जो उनके सशक्तीकरण का विरोध करते हैं।

कैदियों के पास मोबाइल कैसे?' हाईकोर्ट ने जेल प्रशासन को लगाई कड़ी फटकार; व्यवस्था पर उठाए सवाल

चंडीगढ़। नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने जहां आरोपित को नियमित जमानत दे दी, वहीं जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाते हुए हरियाणा के जेल प्रशासन को आत्ममंथन करने की जरूरत बताई है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि यदि कोई कैदी हिरासत में रहते हुए मोबाइल फोन के जरिये आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो यह अत्यंत चिंताजनक स्थिति है और इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। यह आदेश जस्टिस संजय वशिष्ठ की एकल पीठ ने आरोपित आकाश उर्फ रिंकू द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिकाकर्ता ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में नियमित जमानत की मांग की थी। मामला फतेहाबाद के भूना थाना में दर्ज एफआइआर से जुड़ा है, जिसमें 505 ग्राम हेरोइन बरामद होने के बाद कई आरोपितों के नाम सामने आए थे। जांच के दौरान मुख्य आरोपित मोहन लाल ने बताया था कि उसने यह नशीला पदार्थ दिल्ली क्षेत्र में एक विदेशी नागरिक से खरीदा था और इस सौदे में अन्य आरोपितों की वित्तीय भूमिका रही।पुलिस ने आगे की जांच में कई सह-आरोपितों को गिरफ्तार किया और याचिकाकर्ता को भी जांच में शामिल किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि उसके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं है और उसे केवल पुलिस रिकार्ड में शामिल होने के कारण फंसाया गया है। यह भी कहा गया कि जिस मोबाइल फोन को नष्ट करने का आरोप लगाया गया, वह कभी उसके कब्जे में था ही नहीं, खासकर तब जब वह पहले से ही न्यायिक हिरासत में था।अदालत ने रिकार्ड का अवलोकन करते हुए पाया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कई आपराधिक मामले जरूर दर्ज हैं, लेकिन एनडीपीएस एक्ट में केवल एक ही मामले में सजा हुई है। अन्य मामलों में या तो वह बरी हुआ या सजा पूरी कर चुका है। सबसे अहम टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि एक कैदी जेल में रहते हुए अन्य आरोपितों से मोबाइल फोन के जरिये संपर्क में बताया जा रहा है, जबकि इसकी जानकारी जेल प्रशासन को नहीं थी। कोर्ट ने कहा कि या तो आरोप झूठे हैं या फिर जेल प्रशासन की गंभीर लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है।

इन टिप्पणियों के साथ अदालत ने आरोपित को जमानत देते हुए निर्देश दिया कि भविष्य में यदि वह समान गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो उसकी जमानत रद की जा सकती है। साथ ही, ट्रायल कोर्ट को मामले का स्वतंत्र और शीघ्र निपटारा करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बलिदानी विनय नरवाल को नमन, करनाल के संत कबीर स्कूल में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

करनाल। करनाल के संत कबीर पब्लिक स्कूल में पहलगाम हमले के बलिदानी विनय नरवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विनय नरवाल की बहन सृष्टि ने कहा कि उनके भाई के नाम पर करनाल में एक चिकित्सा संस्थान का नामकरण किया जाए। उनका पूरा परिवार एक साल पहले हुए आतंकी हमले की घटना से अभी तक उभरा नहीं है। हलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले को कल एक वर्ष पूरा होने जा रहा है। इस हमले ने जहां देश को झकझोर दिया था, वहीं हरियाणा के करनाल के एक परिवार के लिए समय जैसे उसी दिन थम गया। हमले की पहली बरसी की पूर्व संध्या पर भारतीय नौसेना के बलिदानी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के पिता, राजेश नरवाल ने

नम आंखों से अपने बेटे को याद किया।राजेश नरवाल ने उस काली रात को याद करते हुए बताया कि वह पल उनके जीवन का सबसे कठिन समय था। उन्होंने कहा कि कल एक साल पूरा हो जाएगा। मुझे वह पल आज भी साफ याद है, मैं सो रहा था, तभी मुझे वह बुरी खबर मिली। उस एक पल ने मेरी पूरी दुनिया बदल दी। जिंदगी जैसे वहीं थम सी गई।क्या बोले विनय नरवाल के पिता

विनय नरवाल के पिता ने कहा कि एक शहीद का पिता होने का गौरव तो है, लेकिन एक पिता का हृदय आज भी इस सच्चाई को स्वीकार करने में संघर्ष कर रहा है। राजेश ने भावुक होते हुए कहा, "शुरूआत में ऐसा लगता था जैसे वह बस अभी वापस आ जाएगा।

दिमाग को हकीकत पता थी, लेकिन मन इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं था। यह बहुत दर्दनाक है। मुझे उसकी बहुत याद आती है, और उसकी वही अच्छी यादें अब मुझे सबसे ज्यादा परेशान करती हैं।" बता दें कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में भीषण आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। मृतकों में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल भी शामिल थे। बता दें कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में भीषण आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। मृतकों में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल भी शामिल थे।

हरियाणा में CIA-2 इंचार्ज पर जजपा प्रवक्ता को 'गनपॉइंट' पर उठाने का संगीन आरोप, वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

हिसार। पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के काफिले की गाड़ी को रोककर जान से मारने की धमकी देने के मामले में सीआइए टू इंचार्ज निरीक्षक पवन कुमार आरोपों के घेरे में घिरते जा रहे हैं। पहले फतेहाबाद की एक महिला फिर हिसार के बुढ़ाखेड़ी गांव की रहने वाली महिला ने सीआइए टू इंचार्ज पवन पर हत्या और प्रताड़ित करने के आरोप जड़े। मंगलवार को इंटरनेट पर सीसीटीवी की फुटेज वायरल हुई। जिसमें आरोप लगाया कि है कि सीआइइ टू इंचार्ज पवन कुमार 16-17 अप्रैल की रात को जजपा के जिला प्रवक्ता रवि आहुजा के घर गए और गन प्वाइंट पर उन्हें उठाकर ले गए।इसके अलावा एक टेलर ने भी निरीक्षक पवन पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। वहीं जजपा की तरफ से पुलिस के खिलाफ मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग और गृह मंत्रालय, मुख्यमंत्री और पुलिस अधीक्षक को शिकायत भेजी गई है।बिना वारंट के हथियार लेकर घर के अंदर घुसे जजपा के प्रदेश प्रवक्ता अधिवक्ता मनदीप बिश्नोई ने बताया कि 16-17 अप्रैल की रात करीब दो से तीन बजे सीआइए-टू की गाड़ी जजपा के जिला प्रवक्ता रवि आहुजा के घर पहुंची है। गाड़ी से सीआइए-टू इंचार्ज पवन और डीएसपी नीचे उतरे। जैसा कि रवि ने बताया कि उसके बाद दोनों घर के अंदर आते हैं और फिर पवन कुमार गन प्वाइंट पर घर से उठाकर ले जाता है। उनका कहना है कि पुलिसकर्मी सीसीटीवी की डीवीआर भी अपने साथ ले गए, जिस कारण फुटेज नहीं मिली। अब रवि के घर के सामने वाले घर के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज मिली। जिसमें दिखाई देर रहा है कि सीआइए इंचार्ज पवन कुमार अपने हाथ में पिस्तौल लिए हुए है और वह पिस्तौल को लोड करते हुए नजर आ रहे हैं। उसके बाद वह घर के अंदर घुसते हैं। अधिवक्ता का कहना है कि एक तरफ से डीएसपी कमलजीत की तरफ से ये कहा जा रहा है कि सीआइए-टू इंचार्ज पवन के पास पिस्तौल नहीं था। वहीं वह हाथ में पिस्तौल लिए हुए दिखाई दे रहा है। थाने में बुलाकर बेरहमी से पीटा मंगलवार को इंटरनेट पर सीआइए-टू इंचार्ज पवन के खिलाफ एक वीडियो और वायरल हो रहा है। टेलर का काम करने वाले महेंद्रपाल ने पवन पर झूठा केस दर्ज करने और प्रताड़ित करने के आरोप लगाए है। महेंद्रपाल ने बताया कि उसकी 2019 में रतिया में कपड़ों की दुकान थी। उस दुकान पर भाई बैठता था। मेरी हिसार में दुकान है। 13 जून को भाई का फोन आया कि अरविंद नामक युवक अपने साथियों के साथ दुकान पर आया। उसने दुकान का सारा सामान एक वाहन में डाला और अपने साथ ले गया। पता चलने पर फतेहाबाद पहुंचा और पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने शिकायत रतिया के शहर थाना में मार्क कर दी। इस बारे में रतिया पुलिस थाना पहुंचा तो वहां पर एसएचओ नहीं मिले। फिर वापस आ गया। उस समय पवन कुमार वहां के एसएचओ थे। 14 जून की शाम को पवन का फोन आया कि शिकायत आई हुई है। फिर पवन को पूरा मामला बताया। उसने अगले दिन रतिया थाना में बुलाया। सुबह साढ़े दस बजे वहां पर पहुंच गया। एसएचओ पवन कुमार ने करीब दो घंटे तक पूछताछ की। फिर पीछे एक कमरे में ले गया। वहां पर मौजूद सिपाही को बोला कि इसे अंदर बंद कर लो ये बाहर नहीं जाना चाहिए। काफी देर तक कमरे के अंदर रखा। फिर शाम को एक पुलिसकर्मी ने बताया कि अरविंद ने आपके खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दी। रात को पवन ने कमरे में बंद कर गाली-गलौज की और मारपीट की। यहां तक की नाक भी रगड़वाई। फिर झूठा केस बनाकर गिरफ्तार किया था।

गुरुग्राम में हरियाणा कैबिनेट की बैठक, क्लेरिकल सर्विस बिल 2026 को मंजूरी; सीएम सैनी ने विपक्ष को बताया महिला विरोधी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में गुरुग्राम में हरियाणा कैबिनेट की बैठक की। लोकसभा में नारी वंदन अधिनियम गिरने के विरुद्ध भाजपा सरकार विधानसभा में विपक्ष के विरोध में निंदा प्रस्ताव ला सकती है। हरियाणा विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 27 अप्रैल को बुलाया गया है। सीएम नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा क्लेरिकल सर्विस बिल 2026 विधानसभा के स्पेशल सत्र में लाया जाएगा। मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा के कॉमन कैडर के ग्रुप डी कर्मचारियों के प्रमोशन के लिए जरूरी नियम बनाने पर भी सहमति बनी है। अगर कॉमन कैडर ग्रुप डी कर्मचारियों ने 5 साल से ज्यादा की सर्विस पूरी की तो वे क्लर्क के पद पर प्रमोशन के लिए एलिजिबल होंगे। हरियाणा क्लेरिकल

सर्विसेज रिक्रूटमेंट एंड कंडीशंस ऑफ सर्विस बिल 2026 के मसौदे को मंजूरी दे दी गई है। ड्राफ्ट बिल में क्लर्क के पद के लिए ग्रुप डी से प्रमोशन के कोटे को 20% से 30% करने का प्रावधान किया गया। साथ ही 5% एक्स ग्रेशिया पद रखने की अनिवार्यता भी नियमों में शामिल की गई। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि 16 व 17 अप्रैल को संसद में जो कुछ हुआ उसने विपक्षी दलों का असली चेहरा देश के सामने उजागर किया। विपक्षी दलों का असली चरित्र महिला विरोधी और सत्ता का लोभी है। यह दिन देश के इतिहास में काले दिन के रूप में दर्ज हुआ। विपक्षी दलों ने महिलाओं को केवल वोट बैंक समझा लेकिन निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी से वंचित रखा। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं की भागीदारी कोई दया नहीं, उनका अधिकार है। विपक्ष ने परिसीमन के नाम पर झूठ और भ्रम फैलाया और कहा के इससे कुछ राज्यों को नुकसान होगा। गृहमंत्री ने तथ्यों के साथ स्पष्ट किया कि किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। आने वाले समय में महिलाएं अपने वोट की ताकत से महिला विरोधी दलों को करारा जवाब देंगी।

जींद में एक शादी समारोह के दौरान विवाद, एक बाराती की चाकू मारकर हत्या; पिता-पुत्र गिरफ्तार

जींद। रोहतक रोड बाईपास पर चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सामने होटल में सोमवार देर रात बारात में आए बारातियों में आपसी कहासुनी हो गई। इसमें बराह खुर्द निवासी विकास की उसके ही परिवार के लोगों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी। शव का रोहतक पीजीआई में पोस्टमार्टम करवाकर स्वजनों को सौंप दिया। गांव बराह खुर्द निवासी कृष्ण लाल अपने बेटे दीपक की बारात लेकर सोमवार रात चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सामने एक होटल में आया था। इसमें उसके परिवार के काफी लोग भी शामिल हुए थे। रात को बारात में खाने-पीने का दौर चला हुआ था।इसी दौरान दूल्हे के ताऊ के 40 वर्षीय बेटे विकास की बारात में शामिल गांव के ही सतीश के साथ कहासुनी हो गई। उस समय तो वहां मौजूद अन्य बारातियों ने मामले को शांत कर दिया। कुछ समय के बाद विकास होटल से बाहर चला गया। सतीश भी उसके पीछे-पीछे वहां पर पहुंच गया।फिर से दोनों के बीच झगड़ा हो गया। उसी समय सतीश का बेटा अरुण और अमन भी मौके पर पहुंच गए। तैश में आए अमन ने अपने पास मौजूद चाकू से विकास की छाती और पेट पर वार

कर दिए। इसमें विकास गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को अंजाम देकर आरोपित सतीश अपने दोनों बेटों को गाड़ी में लेकर फरार हो गया। लहूलुहान हालात में विकास को नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया। यहां से चिकित्सकों ने विकास की गंभीर हालात देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। पीजीआई रोहतक में विकास की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। मृतक के बड़े भाई अरविंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि विकास सेना से रिटायर्ड होकर अब सिंचाई विभाग में बेलदार के पद पर कार्यरत था। रात को उसके चचेरे भाई दीपक की बारात जींद के होटल में पहुंची थी। बारात में शामिल गांव के सतीश से उसके भाई विकास की कहासुनी हो गई। इस पर सतीश ने अपने दोनों बेटों के साथ मिलकर उसके भाई विकास की हत्या कर दी। सदर थाना के जांच अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि सदर थाना पुलिस ने अरविंद की शिकायत पर सतीश, उसके बेटे अरुण व अमन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बच्चे के अंदर दिखें ये बदलाव तो पेरेंट्स न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं एंग्जायटी के लक्षण

अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने-जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता-पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना - अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एग्जाम में जाने से डरना

एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट

अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी व रिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना

बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डांसिंग, सिंगिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण

पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत

जी घबराना या उल्टी होना

सांस लेने में तकलीफ

ज्यादा पसीना आना

ऐसे पहचानें पेरेंट्स

पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है।

बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा।

बच्चे का बार-बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना।

बच्चे का बाहर जाने से मना करना।

किसी से मिलने-जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना।

काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नए-नए बहाने बनाना।

जानिए क्या करें पेरेंट्स

बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा से ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

केरल में भी हैं जम्मू-कश्मीर जैसी जगहें, जानें कहां और कैसा है वहां का नजारा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में तनाव का माहौल है. कई लोग अब जम्मू-कश्मीर जाने से डर रहे हैं. ऐसे में इस ठंडे राज्य में गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए जिन लोगों ने पहले से टिकट बुक कर रखे थे, उनमें से ज्यादातर लोग अपनी टिकट कैंसिल करा रहे हैं. इन सभी के दिमाग में एक बात जरूर आ रही होगी कि अगर वो जम्मू-कश्मीर की टिकट कैंसिल करा रहे हैं तो इस गर्मी के मौसम में भारत के किस राज्य में जाना बेहतर रहेगा. ऐसे में आज इस खबर के जरिए जानिए कि गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए भारत में कौन सी जगह सबसे अच्छी रहेगी...

केरल के वायनाड जिले में स्थित कलपेट्टा नामक इलाका बेहद शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर जगह है. यह जगह आपको बेहद पसंद आएगी. प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह हिल स्टेशन पर्यटकों को एक नया अनुभव देता है. आइए अब इस जगह के बारे में पूरी जानकारी जानते हैं.

केरल के बारे में सोचते ही सबसे पहले उनके दिमाग में मुन्नार या थेक्कडी जैसी जगहें आती हैं. दरअसल, ये दोनों ही जगहें लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं. लेकिन केरल में और भी कई नई और अनोखी जगहें . इनमें से एक है कलपेट्टा. जी हां ! हममें से कई लोगों ने अब तक कलपेट्टा के बारे में नहीं सुना होगा. लेकिन यह एक ऐसी जगह है जो लोगों के दिलों को मोह लेती है. यह ऊंची पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों का एक सुंदर मिश्रण दृश्य प्रस्तुत करता है.

कलपेट्टा केरल के वायनाड जिले में स्थित एक जगह है. यहां चारों तरफ हरे-भरे पेड़ और प्राकृतिक सुंदरता है. यहां जाने वाले हर व्यक्ति के लिए यह एक अच्छा अनुभव होगा. यह बहुत ही शांत वातावरण वाली जगह है. यह समुद्र तल से लगभग 780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. पश्चिमी घाटों के बीच स्थित इस जगह पर मौसम हमेशा ठंडा रहता है. गर्मियों में भी ठंड कभी कम नहीं होती. यही कारण है कि यह पूरे साल घूमने के लिए एक आदर्श जगह है.

कलपेट्टा के आसपास मेप्पाडी नामक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चाय के बागान हैं. इन हरे-भरे क्षेत्रों के बीच घूमना एक अद्भुत एहसास देता है. हर पर्यटक इनके बीच के रास्तों पर घूमना और फोटो लेना पसंद करता है. कलपेट्टा से 15 किमी दूर एक खूबसूरत झील है. वहां नाव से यात्रा करना और पक्षियों को देखना बहुत आनंददायक है. इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है. यह प्राकृतिक झील समय बिताने के लिए एक शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करती है.

यदि आप कहीं ठंडी जगह जाना चाहते हैं, चाहे गर्मी की छुट्टियों में या मानसून के मौसम में, तो कलपेट्टा सबसे अच्छा विकल्प है. यह एक ऐसा हिल स्टेशन है जिसकी प्राकृतिक सुन्दरता के बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है. यदि आप कुछ नया देखना चाहते हैं और यातायात और अराजकता से दूर एक शांत, ठंडी जगह में समय बिताना चाहते हैं, तो आपको निश्चित रूप से कलपेट्टा की यात्रा करनी चाहिए.

रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे, बदलाव देख रह जाएंगे हैरान

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी

आंवला पाउडर - 1 चम्मच सूखा

जीरा पाउडर - 1 चम्मच भुना हुआ

पानी - 1 गिलास गुनगुना

इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य सोर्स है। यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉस

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी

आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुंहासों को भी दूर करता है। वहीं जीरे का पानी भी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह बालों का झड़ना कम करने के साथ उनको मजबूत बनाता है।

डायबिटीज होगी कंट्रोल

दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस :

जैकलीन की अप्रूवर बनने की अर्जी पर सुनवाई टली

अब 8 मई को होगा फैसला

200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है, साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है, जिस पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से उन्हें कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था।

अक्षय के छूटे पसीने!

वामिका गब्बी के 'बेतुके' जोक्स ने खिलाड़ी कुमार को किया परेशान

अभिनेता अक्षय कुमार इंडस्ट्री में अपने प्रैंक्स को लेकर काफी मशहूर हैं। उनके प्रैंक और मजाकिया लहजे को लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चा रहती है। अक्सर इंडस्ट्री के सेलेब्स भी उनके इस लहजे से परेशान रहते हैं, लेकिन इस बार अक्षय किसी से परेशान होते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपने बेतुके जोक्स से अक्षय को परेशान कर दिया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेत्री अक्षय से कुछ पंजाबी जोक्स पूछ रही हैं, और अभिनेता का रिएक्शन देखने लायक है। पहले जोक में वामिका कहती हैं, 'सर, अगर किसी की मौसी दूर रहती है तो उसे इंग्लिश में क्या कहेंगे?' इसका जवाब खुद अभिनेत्री देते हुए कहती हैं, 'फार्मेसी।' इसके बाद वामिका ने दूसरा सवाल पूछते हुए कहा, 'दो लोग बैडमिंटन खेल रहे थे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। क्यों?' जब अक्षय जवाब नहीं दे पाए तो वामिका ने बताया, 'क्योंकि वे रैकेट का इस्तेमाल कर रहे थे। फिर वामिका ने तीसरा जोक मारा - 'ऐसी जगह का नाम बताओ जहां गाना गाने की इजाजत नहीं है?' उन्होंने जवाब दिया, 'नागालैंड'। ये सुनकर अक्षय कुमार हंसते हुए बोले, 'बस करो यार।' वामिका ने इस क्लिप को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, 'प्रेमिका के पीजे पर हंसी हुई फरार, अक्षय सर बोले, 'बस करो यार।' भूत बंगला अब सिनेमाघरों में है। अपने टिकट अभी बुक करें।' ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

यूजर्स वामिका के जोक्स और अक्षय के रिएक्शन पर खूब हंस रहे हैं। फिल्म 'भूत बंगला' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल के अलावा, राजपाल यादव और मिथिला पालकर भी अहम रोल में नजर आ रहे हैं। हॉरर- कॉमेडी फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने 'भूलभुलैया' बनाई थी। यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म की रिलीज टली

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अपने एक्शन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का एक धमाकेदार पोस्टर रिलीज हुआ। इसमें फिल्म से जुड़ी जानकारी और बदली हुई रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

साउथ फिल्म 'आरआरआर' और बॉलीवुड फिल्म 'वॉर 2' में अपने एक्शन से जूनियर एनटीआर ने सबको अपना कायल बना दिया था। आगे भी उनका एक्शन अंदाज फैंस को देखने को मिलेगा। वह अपनी नई एक्शन भी फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। मंगलवार को मेकर्स ने जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। साथ ही बताया है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी?

एक्टर के जन्मदिन पर मिलेगी फिल्म की पहली झलक

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म के पोस्टर में उनका इंटेंस लुक नजर आ रहा है। साथ ही इसकी पहली झलक या टीजर दर्शकों को 20 मई को देखने को मिलेगा। यह दिन मेकर्स ने इसलिए चुना है क्योंकि इस दिन जूनियर एनटीआर का जन्मदिन होता है। इस फिल्म को प्रशांत नील निर्देशित करेंगे। कब रिलीज होगी जूनियर एनटीआर की फिल्म?

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म पहले 25 जून 2026 को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह टल गई है। जूनियर एनटीआर की फिल्म की नई रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। अब यह फिल्म अगले

साल तक बनकर तैयार होगी। मेकर्स ने पोस्टर पर ही 11 जून 2027 की तारीख दी है।

फिल्म की कहानी को लेकर भी दिया हिंट

फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर जूनियर एनटीआर ने भी साझा किया है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, 'उसका राज, उसकी धरती।' इस एक लाइन से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह फिल्म में कोई दमदार किरदार करेंगे। साथ ही इस फिल्म में एक्शन की डबल डोज भी दर्शकों को मिल सकती है।

सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा पर टूटा दुखों का पहाड़, दादा के निधन से टूटीं अभिनेत्री

यश राज फिल्म्स की फिल्म 'सैयारा' से अपना डेब्यू करने वाली अनीत पड्डा एक बार फिर निर्देशक मोहित सूरी की अपकमिंग फिल्म 'सतरंगा' में अहान पांडे के साथ दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच अभिनेत्री पर दुखों का पहाड़ टूट चुका है क्योंकि जीवन के सबसे प्यारे इंसान ने उन्हें अलविदा कह दिया है। अनीत पड्डा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने दादा जी के निधन की जानकारी दी है, जो काफी समय से अल्जाइमर रोग से जूझ रहे थे। अभिनेत्री ने अपने दादा के हाथ की फोटो शेयर की है और अपने इमोशन को शब्दों के जरिए जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे जीवन का एकमात्र प्यार। आप मुझसे दूर जा रहे थे, लेकिन मक्खन (अनीत का निकनेम) को नहीं भूले। आपने प्यार को थामे रखा, भले ही आप यादों को थामे नहीं रख सके। मैं दोनों को थामे रहूंगी। मैं हमारे साथ बिताए सभी पलों को संजोकर रखूंगी। मैं एक अच्छा इंसान बनूंगी। मैं आपके चुटकुले याद रखूंगी और जब भी मौका मिलेगा उन्हें दोहराऊंगी। मैं आपकी दयालुता और आपकी रोशनी को हर अंधेरे कमरे में ले जाऊंगी। मैं आपकी कहानियां याद रखूंगी और दुनिया को सुनाऊंगी। मैं आपके प्यार को थामे रहूंगी। आपने मुझे सबसे शुद्ध और सबसे निशर्त प्यार करना सिखाया।' अनीत पड्डा ने लिखा, 'आज मैंने आकाश में सबसे चमकीला तारा देखा और मैं जान गई कि आप कहां गए। मैं आपसे प्यार करती हूं दादाजी और हमेशा अपनी सीमाओं से परे करती रहूंगी। अभिनेत्री के पोस्ट से साफ है कि वे अपने दादाजी के साथ कितना लगाव रखती थीं। बता दें कि सैयारा रिलीज के समय भी अभिनेत्री के दादाजी की तबीयत खराब होने के वजह से थिएटर नहीं आ पाए थे, लेकिन फोन में कुछ वीडियो को देखकर उन्होंने अनीत को पहचान लिया था और चेहरे पर बड़ी स्माइल आ गई थी। यह पल अभिनेत्री के लिए बहुत खास रहा था।

पहली बार इस एक्टर संग काम करेंगे सूरज बड़जात्या

'हम साथ साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन' और 'विवाह' जैसी हिट फिल्मों के डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने अपनी अगली फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। सूरज बड़जात्या ने आखिरी फिल्म 'ऊंचाई' डायरेक्ट की थी। अब इन दिनों वे अपनी अगली फिल्म बनाने में व्यस्त हैं। फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी डायरेक्टर ने कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये अपडेट शेयर किया, और फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी भी दी।

क्या है फिल्म का नाम?

सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की और इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया है।

फिल्म की स्टार कास्ट

इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। अब तक इस प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी, लेकिन मंगलवार सुबह मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट दोनों अनाउंस कर दिए।

हिमेश रेशमिया देंगे म्यूजिक

फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। राजश्री फिल्म्स इस फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

'अब मैं बस वरुण का पापा रहूंगा'

डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी 'है जवानी तो इश्क होना है'? डायरेक्टर बोले-

डेविड धवन की आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन इससे पहले डायरेक्टर ने बड़ा बयान दिया जो चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म जल्द ही थिएटर्स में रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले डेविड ने अपने करियर से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में डेविड धवन ने कहा कि 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब मुझे और फिल्में करना चाहिए।

'राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च पर छलके रितेश के आंसू

अभिनेता रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर सोमवार को जारी कर दिया गया। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा है, जो मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर लॉन्च के लिए मुंबई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम मौजूद नजर आई। इस दौरान रितेश और जेनेलिया काफी भावुक नजर आए। दोनों की आंखों में आंसू साफ नजर आ रहे थे। भावुक रितेश ने कहा, 'मैंने पहले सभी से कहा था कि अपने रुपए संभालकर रखिए। हमारे सिर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का हाथ है। मुझे अच्छे से याद है कि स्कूल के समय एनुअल डे के दौरान बांसुरी बजाई थी और एक राजा का रोल भी किया था। वही मेरा घर था। आज वही शिवाजी महाराज का सैनिक इस मंच पर खड़ा है। महाराज की कृपा से मुझे आप सभी की तरफ से जोरदार तालियां मिल रही हैं। चाहे मंच हो, दिवाली हो, शिव जयंती हो या कोई भी नाटक-कला का रूप हो, वह इंसान बहुत भाग्यशाली होता है जिसे कोई किरदार निभाने का मौका मिलता है। मुझे यह मौका बचपन में ही मिल गया था।' उन्होंने आगे कहा, 'जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे ने इस प्रोजेक्ट में पूरा जोर लगाया है। मैं उनका बहुत आभारी हूं। संजू सर का भी मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।' अभिनेता संजय दत्त ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म बहुत खास है। रितेश मेरा छोटा भाई जैसा है। मैं खुश हूं कि हमारे पिता के समय से ही हमारा परिवार एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। ज्योति और पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद।' अभिनेता अभिषेक बच्चन ने ट्रेलर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'ट्रेलर देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ज्योति, रितेश और पूरी टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि, एक भावना है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।